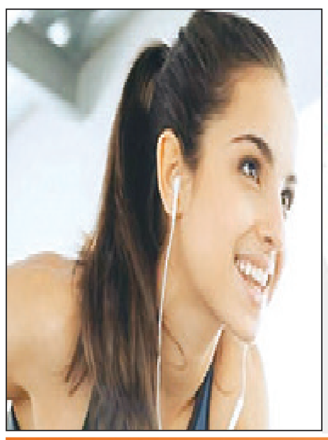

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

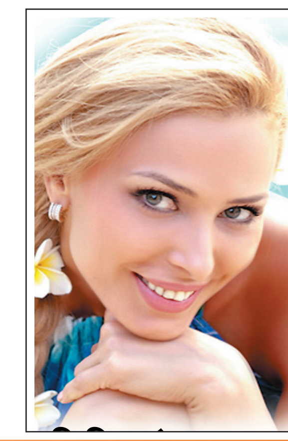

ब्रेन में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज है सबसे बेहतर पेज: 7

सिंगिंग में कदम रखना आसान नहीं था, सलमान ने प्रेरित किया पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 116 | गुरुवार 30 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

योग गुरु रामदेव का 'आजादी' नारों पर बड़ा बयान, बोले- देश संविधान से चलेगा

नई दिल्ली एजेंसी: योग गुरु रामदेव ने बुधवार को कहा कि ब्राह्मणवाद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ 'आजादी' के नारों से चिंता नहीं होनी चाहिए, क्योंकि संविधान सभी समुदायों को समान अधिकार देता है। उत्तराखंड के हरिद्वार में पत्रकारों से बात करते हुए रामदेव ने कहा कि भले ही ब्राह्मणवाद या फ्र के खिलाफ नारे लगाना गलत है, लेकिन संविधान सभी समूहों के लिए समान अधिकारों की गारंटी देता है। रामदेव ने कहा कि देश सड़कों से नहीं चलेगा। देश सिर्फ. संसद से चलेगा। शिक्षा मंत्री कौन होगा, यह सड़कों पर तय नहीं होगा। देश के प्रधानमंत्री और संसद ही यह तय करेंगे। ब्राह्मणवाद और आरएसएस को निशाना बनाने वाले 'आजादी' के नारों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर प्रह्लाद जोशी ब्राह्मण समुदाय में पैदा हुए और आरएसएस से राष्ट्रवाद सीखा तो इससे किसी को कोई परेशानी

लोकसभा में पेपर लीक-रोधी, राज्यसभा में वंदे मातरम बिल पास; हंगामे से संसद ठप

नई दिल्ली एजेंसी: बुधवार को लोकसभा में 'एंटी-पेपर लीक बिल' पर राहुल गांधी के भाषण के दौरान काफी हंगामा हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि गृह मंत्री अमित शाह ने परीक्षा में गड़बड़ी के खिलाफ विरोध कर रहे छात्रों पर पैलेट चलाने का आदेश दिया था। एनडीए नेताओं ने उनकी बातों पर कड़ी आपत्ति जताई और उनसे माफी की मांग की। हंगामे के कारण स्पीकर को कार्यवाही दोपहर 2:30 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। जब सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, तो इसे दो मिनट के भीतर ही दोपहर 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके बाद, लोकसभा ने 'एंटी-पेपर लीक बिल' को ध्वनि मत से पारित कर दिया। वहीं राज्यसभा में विपक्ष के

वॉकआउट के बीच 'वंदे मातरम बिल' भी पारित हो गया। लोकसभा की कार्यवाही दिल्ली में पिछले सप्ताह प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण बुधवार को लोकसभा की बैठक शुरू होने के कुछ मिनट बाद ही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई और सदन में आज भी प्रश्नकाल नहीं हो सका। केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार, 29 जुलाई को पुलिस की ज्यादतियों को लेकर विपक्ष के आरोपों का

वंदे मातरम बिल' (राष्ट्र गौरव अपमान निवारण संशोधन विधेयक....

लोकसभा ने 'एंटी-पेपर लीक बिल' को हंगामे के बीच ध्वनि मत से पारित किया, जबकि राहुल गांधी के छात्र प्रदर्शनों पर अमित शाह के खिलाफ आरोपों को लेकर तीखी बहस हुई। राज्यसभा में विपक्ष के वॉकआउट के बावजूद 'वंदे मातरम बिल' (राष्ट्र गौरव अपमान निवारण संशोधन विधेयक, 2026) को मंजूरी मिली, जहां सरकार ने राष्ट्रगीत

जवाब देते हुए कहा कि बार-बार यह साफ किया गया कि कोई गोली नहीं चलाई गई; सिर्फ. आँसू गैस का इस्तेमाल किया गया। ऐसा आदेश देने का अधिकार मजिस्ट्रेट के पास होता है, मंत्री के पास नहीं। सरकार ने जन्म और मृत्यु के पंजीकरण संबंधी कानून में संशोधन करने के प्रावधान वाले विधेयक बुधवार को लोकसभा में किया। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सदन में विपक्ष के हंगामे के बीच जन्म और मृत्यु का पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया। राज्यसभा की कार्यवाही राज्यसभा में बुधवार को गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की नीति के कारण राष्ट्रगीत का विरोध करने का आरोप लगाया और कहा कि वंदे मातरम् के विरोध का मतलब भारत तेरे टुकड़े होंगे गैंग के मनोबल को बढ़ाना है। उच्च सदन में राय ने यह बात राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कही। उनके जवाब के बाद सदन ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। राज्यसभा में बुधवार को विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच कुछ सदस्यों ने शून्यकाल के दौरान यातायात जाम, सरकारी स्कूलों में खेल के मैदानों की स्थिति और खाली पड़ी जमीनों में सौर ऊर्जा उत्पादक संयंत्र लगाने संबंधी मुद्दे उठाए और सरकार से इनके समाधान की मांग की।

हंगामे के बीच लोकसभा में पेपर लीक विरोधी विधेयक पास, ध्वनिमत से हुआ मतदान

नई दिल्ली एजेंसी: बुधवार को लोकसभा ने पेपर लीक रोकने वाला बिल – 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026' – पास कर दिया। यह बिल ऐसे समय में पास हुआ जब निचले सदन में राहुल गांधी की अमित शाह के खिलाफ टिप्पणियों और इस आरोप को लेकर बार-बार हंगामा हो रहा था कि गृह मंत्री ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से 'संसद चलो' मार्च के दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन चलाने का आदेश दिया था। नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर हुए जबरदस्त विरोध-प्रदर्शनों के बाद पेश किए गए इस बिल को विपक्ष की तरफ से जोरदार नारेबाजी के बीच ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। केंद्र सरकार ने सोमवार को यह

संशोधन बिल पेश किया था। यह कदम नीट विवाद को लेकर देशभर में हुए छात्र विरोध-प्रदर्शनों के कुछ ही दिनों बाद उठाया गया, जिसके कारण धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इस प्रस्तावित कानून का मकसद 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) एक्ट' में संशोधन करना है। इसके तहत परीक्षा का पेपर लीक करने में शामिल लोगों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है, जिसमें 10 साल तक की जेल और 50 लाख रुपये तक का जुमार्ना शामिल है। हाल ही में मंजूर हुए बिल में पेपर लीक मामलों की जांच पूरी करने के लिए दो महीने की समय-सीमा तय की गई है। इसमें गलत तरीकों में शामिल लोगों के लिए सजा को 2024 के एक्ट के तहत पांच साल से बढ़ाकर 10 साल कर दिया गया है, साथ ही 50 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है। बिल में तीन महीने के अंदर मामलों को निपटाने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने का भी प्रस्ताव है। संगठित अपराधियों के लिए अधिकतम जुमार्ना मौजूदा कानून के तहत तय सीमा से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव है। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस घोषणा के बाद उठाया गया है,

जिसमें उन्होंने कहा था कि हाल ही में हुए नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर देश भर में हुए व्यापक विरोध-प्रदर्शनों के बाद सरकार परीक्षा में धोखाधड़ी के खिलाफ कानूनी ढांचे को मजबूत करने के लिए तेजी से कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि संगठित नकल गिरोहों की वजह से ईमानदार उम्मीदवारों की कड़ी मेहनत बेकार न जाए।

आदेशों का पालन नहीं होने का दावा, भोजशाला नमाज स्थल विवाद पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली एजेंसी: उच्चतम न्यायालय बृहस्पतिवार को मुस्लिम पक्ष की उस याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें कहा गया है कि मध्यप्रदेश के धार में विवादित भोजशाला परिसर के पास जुमे की नमाज अदा करने के लिए वैकल्पिक जगह उपलब्ध कराने के अदालती निर्देशों का पालन नहीं किया गया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने 24 जुलाई को कहा था कि याचिका पर बुधवार को सुनवाई की जाएगी। हालांकि, पीठ के जल्दी उठ जाने के कारण इस पर सुनवाई नहीं हो सकी। पीठ जब दिन की कार्यवाही खत्म करने वाली थी, तब वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने इस मामले का उल्लेख किया।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई होगी। मामले का उल्लेख किए जाने के दौरान, प्रधान न्यायाधीश ने मध्यप्रदेश सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा, आप श्री अहमदी को वैकल्पिक जगह की जानकारी क्यों नहीं देते? अहमदी ने कहा, आपके आदेशों का पालन नहीं किया जा रहा। स्थान 1.3 किलोमीटर दूर है और (ज़िला) कलेक्टर ने आदेश दिया है कि सिर्फ.यही स्थल आवंटित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अदालत के पहले के निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा। विधि अधिकारी ने कहा कि प्रशासन ने एक और जगह की पहचान की है। उन्होंने पीठ से कहा, नहीं, नहीं। हम फिर से मिले थे। हमारे पास एक और जगह है। हालांकि, अहमदी ने प्रस्तावित जगह पर आपत्ति जताई तथा कहा कि यह स्थान उपयुक्त नहीं है और बहुत दूर है। उन्होंने कहा कि भोजशाला स्थल के पास एक दरगाह है और उसके सामने जमीन है जो आवंटित की जा सकती है। पीठ ने 14 जुलाई को मुस्लिम पक्ष की अपील पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि जब तक मामले का अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक विवादित भोजशाला परिसर (जिसे मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने देवी सरस्वती को समर्पित मंदिर घोषित किया था) के पास जुमे की नमाज के लिए अपराह्न एक बजे से तीन बजे के बीच एक अलग खुली जगह उपलब्ध कराई जाए।

अरविंद केजरीवाल का बड़ा आरोप, ई20 पेट्रोल को लेकर ऑटो सेक्टर पर दबाव बना रही केंद्र सरकार

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर ऑटोमोबाइल निमार्ताओं पर कथित तौर पर 'दबाव' डालने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यह दबाव ई20 पेट्रोल के साथ वाहनों की अनुकूलता को लेकर है। केजरीवाल ने चिंता जताई कि 2023 से पहले निर्मित वाहन ई20 पेट्रोल के उपयोग से क्षतिग्रस्त हो सकते हैं और उनके प्रदर्शन में समस्या आ सकती है। केजरीवाल का 'दबाव' का आरोप मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस मामले को लेकर केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार ऑटोमोबाइल कंपनियों पर दबाव बना रही है कि वे यह साबित करें कि उनके वाहन ई20 पेट्रोल के अनुकूल हैं। केजरीवाल के अनुसार, यदि वाहन निमार्ता इस बात की पुष्टि नहीं करते हैं, तो सरकार उन्हें नए नियम लागू करने के लिए मजबूर कर सकती है। उन्होंने यह भी

आशंका जताई कि यदि पुराने वाहन ई20 पेट्रोल का उपयोग करते हैं, तो उन्हें नुकसान हो सकता है। बीजेपी का पलटवार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अरविंद केजरीवाल के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। भाजपा ने प्रमुख उद्योगपतियों के बयानों का हवाला देते हुए कहा कि ई20 पेट्रोल पूरी तरह सुरक्षित है। पार्टी ने बताया कि व्यापक परीक्षण और सत्यापन के बाद यह पुष्टि की गई है कि ई20 पेट्रोल वाहनों के लिए हानिकारक नहीं है। भाजपा ने इस बात पर जोर दिया कि ऑटोमोटिव सेक्टर ई20 पहल का समर्थन करता है और केजरीवाल के आरोप निराधार हैं। ई20 पेट्रोल क्या है? ई20 पेट्रोल, पेट्रोल में 20% इथेनॉल और 80% गैसोलीन का मिश्रण है। भारत सरकार पर्यावरण को बेहतर बनाने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से इथेनॉल सम्मिश्रण को बढ़ावा दे रही है। इस पहल के तहत, 1 अप्रैल 2023 से देश भर में ई20 पेट्रोल की बिक्री शुरू कर दी गई है।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की

गोरखपुर : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार सुबह नाथ संप्रदाय की परंपराओं के अनुसार भगवान शिव का अवतार माने जाने वाले महायोगी गुरु गोरखनाथ की विशेष पूजा-अर्चना की। राज्य सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, आदित्यनाथ ने अपने गुरु महंत अवैद्यनाथ, दादागुरु महंत दिग्विजयनाथ, योगीराज बाबा गंभीरनाथ और नाथ परंपरा के सभी गुरुओं की भी विधिवत पूजा-अर्चना की। बयान के अनुसार, गोरक्षपीठाधीश्वर ने गुरु गोरखनाथ और नाथ संप्रदाय के सभी गुरुओं के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए जनकल्याण के लिए उनके मार्गदर्शन के प्रति आभार जताया। गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा की विशेष पूजा-अर्चना बुधवार तड़के शुरू हुई और सामूहिक आरती के साथ संपन्न हुई। आदित्यनाथ ने

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सबसे पहले नाथ परंपरा के आदिगुरु भगवान गोरखनाथ के दरबार में नमन किया और फिर विशेष पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर में स्थित सभी देवी-देवताओं के मंदिरों में पूजा-अर्चना की। उन्होंने योगीराज बाबा गंभीरनाथ, महंत दिग्विजयनाथ, महंत अवैद्यनाथ और अन्य दिवंगत गुरुओं की समाधियों पर भी पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया। बयान के मुताबिक, पूजा-अर्चना संपन्न होने के बाद गुरु पूर्णिमा की पारंपरिक सामूहिक आरती की गई।

कोयला आवंटन केस में मनमोहन सिंह पर सुप्रीम कोर्ट का क्या फैसला आ गया? ट्रायल कोर्ट का आदेश निरस्त

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को औपचारिक रूप से बरी कर दिया। कोर्ट ने 2015 के उस ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें उन्हें आरोपी के तौर पर तलब किया गया था–जबकि सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने दो बार क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी और कहा कि उन पर मुकदमा चलाने का कोई ठोस कारण नहीं था। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच का यह आदेश सिंह को मरणोपरांत कानूनी रूप से सही ठहराता है। सिंह का निधन दिसंबर 2024 में हुआ था, जबकि समन जारी करने के आदेश के खिलाफ उनकी अपील एक दशक से भी ज्यादा समय से सुप्रीम कोर्ट में लंबित थी। बुधवार का आदेश न केवल दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को खत्म करता है, बल्कि सीबीआई के इस निष्कर्ष को भी स्पष्ट रूप से सही

ठहराता है कि उन पर मुकदमा चलाने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं थे। इसके साथ ही, यूपीए के दौर में कोयला ब्लॉक आवंटन विवाद से जुड़े सबसे अहम आपराधिक मामलों में से एक का अंत हो गया है। बेंच ने यह माना कि सिंह के निधन के कारण अपील तकनीकी रूप से बेअसर हो गई थी, लेकिन फिर भी ट्रायल कोर्ट के फैसले की कानूनी वैधता की जांच करना जरूरी था, क्योंकि जांच एजेंसी के दो बार यह निष्कर्ष निकालने के बावजूद कि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं बनता है, पूर्व प्रधानमंत्री को समन जारी किया गया था। बेंच ने कहा कि जांच एजेंसी की रिपोर्ट स्वीकार करने के मामले में इस कोर्ट द्वारा लगातार तय किए गए संबंधित पैमानों को ध्यान में रखते हुए, हम इस बात से संतुष्ट हैं कि स्पेशल जज के पास सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को खारिज करने और मामले का संज्ञान लेने का कोई ठोस कारण नहीं था। अपील को मंजूरी देते हुए, कोर्ट ने स्पेशल सीबीआई कोर्ट के 11 मार्च, 2015 के आदेश को रद्द कर दिया, सीबीआई द्वारा दाखिल दोनों क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया और मामले को बंद करने का निर्देश दिया। पीठ ने टिप्पणी की कि यद्यपि सिंह अब जीवित नहीं हैं

कांवड़ यात्रा को लेकर 4 अगस्त से दिल्ली-हरिद्वार हाईवे पर वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी

नई दिल्ली एजेंसी: श्रावण मास में होने वाली कांवड़ यात्रा के लिये खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग चरणों में यातायात पर सख्त पाबंदियां लागू की जाएंगी और कांवड़ियों की सुगम आवाजाही के लिए चार अगस्त से मुजफ्फरनगर जिले में दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग और गंग नहर मार्ग पर गाड़ियों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक रहेगी। इन पाबंदियों से दिल्ली, हरिद्वार, देहरादून और सहारनपुर के बीच यात्रा पर असर पड़ने की सम्भावना है और रास्ते बदले जाने की वजह से यात्रियों को लंबा सफर करना पड़ सकता है और बस तथा टैक्सी का किराया भी अधिक देना पड़ सकता है। मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजय कुमार ने बुधवार को बताया कि 30 जुलाई से मुख्य रास्तों पर भारी गाड़ियों की आवाजाही पर रोक रहेगी जबकि चार अगस्त से जिले में दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग और गंग नहर मार्ग पर सभी तरह के वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। कुमार ने संवाददाताओं से कहा, यात्रा के दौरान कांवड़ियों की आवाजाही सुचारू रूप से हो, इसके लिए वाहनों को दूसरे रास्तों पर भेजा जाएगा।

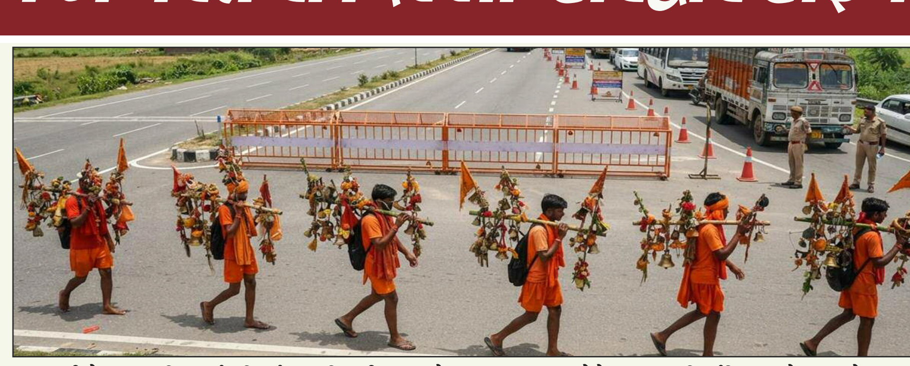

एसएसपी ने बताया कि मार्ग परिवर्तन योजना के तहत हरिद्वार और सहारनपुर से दिल्ली जाने वाले वाहनों को देवबंद, पचेंडा, मीरापुर और मेरठ के मवाना से होते हुए दिल्ली तक भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि वापसी का यातायात भी इसी रास्ते से होगा। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने मार्ग परिवर्तन के तहत निर्धारित रास्तों पर बसें चलाने का प्रबंध किया है, हालांकि अतिरिक्त दूरी की वजह से यात्रियों को अधिक समय लग सकता है और किराया भी ज्यादा देना पड़ सकता

श्रावण मास की कांवड़ यात्रा के मद्देनजर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद और बरेली में व्यापक सुरक्षा तथा यातायात प्रबंध किए गए हैं। मुजफ्फरनगर में चार अगस्त से दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग और गंग नहर मार्ग पर

है। कांवड़ यात्रा के तहत भगवान शिव के भक्त हरिद्वार तथा गंगा के अन्य तटों से पवित्र गंगा जल लाते हैं और उसे पैदल चलकर अपने गृहनगरों के शिव मंदिरों में चढ़ाते हैं। यह यात्रा 30 जुलाई से शुरू होकर 11 अगस्त को सम्पन्न होगी। गाजियाबाद में पुलिस ने 29 जुलाई से 12 अगस्त तक अलग-अलग चरणों में मार्ग परिवर्तन योजना का ऐलान किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दिल्ली की ओर से शहर में आने वाली भारी मालवाहक गाड़ियों के आगमन पर बुधवार सुबह से रोक लगा दी गई है और उन्हें ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के रास्ते भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि पांच अगस्त की सुबह से हल्के वाणिज्यिक वाहनों, कारों, टेम्पो और अन्य यात्री वाहनों पर पाबंदियां लागू हो जाएंगी।

सूत्रों ने बताया कि गंग नहर के किनारे वाली सड़क और पाइपलाइन रोड पूरी तरह बंद रहेंगी, जबकि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सात अगस्त से कांवड़ियों को छोड़कर बाकी लोगों के वाहनों की आवाजाही रोक दी जाएगी। अधिकारियों ने पांच अगस्त से सीमापुरी सीमा और तुलसी निकेतन से गाजियाबाद शहर में सभी तरह की सरकारी और निजी बसों के प्रवेश पर भी रोक लगा दी है और उन्हें दूसरे रास्तों से भेजा जा रहा है।

संपादकीय

इथेनॉल पर सवाल

पेट्रोलियम पदार्थों के विदेशों से आयात पर देश की अत्यधिक निर्भरता हमेशा गंभीर चिंता का विषय रही है। खासकर, हालिया पश्चिम एशिया संकट के दौरान हॉर्मूज खाड़ी में कच्चे तेल व गैस टैंकरों की आवाजाही पर रोक ने स्थिति की गंभीरता को दशार्या। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल को लेकर आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिये इसमें इथेनॉल मिलाने का विकल्प चुना। लेकिन आज इसके साइड इफेक्ट को लेकर देश में चिंता बनी हुई है। लोगों का आरोप है कि इससे वाहनों की माइलेज कम हुई है। कुछ की आशंका है कि गाड़ियों के रखरखाव की लागत बढ़ी है। दरअसल, इसकी वजह इथेनॉल के उपयोग को लेकर किसी प्रामाणिक अध्ययन का सामने न आना भी रहा है। ऐसे में अब जब केंद्र सरकार ने संसद में स्वीकार किया है कि उसने अभी तक ऐसा कोई आकलन नहीं किया है, जिससे पता चल सके कि देश में कितने वाहन ई-20 यानी अस्सी प्रतिशत पेट्रोल व बीस प्रतिशत इथेनॉल के अनुकूल हैं, तो सवाल उठना स्वाभाविक है। इससे यह बात साबित होती है कि देश के हरित ऊर्जा के लक्ष्यों और जमीनी स्तर की तैयारियों के बीच कितना अंतर है। ऐसे में वाहनों की प्रामाणिक गिनती या सर्वे के बिना देशव्यापी बदलाव के सफल होने की उम्मीद कैसे की जा सकती है? निस्संदेह ई-20 को बढ़ावा देने का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना है। साथ ही कार्बन उत्सर्जन घटाना और भारत की बायोफ्यूल वाली अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाना है। वहीं सरकार का कहना है कि बड़े पैमाने पर हुए अध्ययनों और फील्ड ट्रायल में यह वैकल्पिक ईंधन निर्धारित मानकों के तहत प्रयोग के लिये सुरक्षित पाया गया है। निस्संदेह, नियंत्रित स्थिति में हुए वैज्ञानिक परीक्षणों के परिणाम सकारात्मक हो सकते हैं। लेकिन जब लाखों वाहन चालकों को प्रभावित करने वाली किसी नीति का क्रियान्वयन किया जाता है तो जनता का विश्वास हासिल करने के लिये प्रामाणिक डेटा की भी जरूरत होती है। बहरहाल, संसद में सरकार की स्वीकारोक्ति से इस नीति को लेकर विरोधाभास तो उजागर होता ही है। सरकार का दावा है कि पिछले कुछ सालों से बीस करोड़ दुपहिया वाहनों और तीन करोड़ से ज्यादा पेट्रोल से चलने वाली कारों में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल किया जा रहा है। सरकारी दलील है कि इसके बावजूद कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई है। हालांकि, सरकार की ओर से यह जानकारी नहीं दी गई है कि जिन वाहनों को लेकर वह दावा कर रही है, उसमें कितने वाहन ई-20 के लिये डिजाइन या प्रमाणित थे। ऐसी किसी बुनियादी जानकारी के बिना, सुरक्षा और परफॉर्मेंस के बारे में दिए गए भरोसे के शब्द शायद ही लोगों को विश्वास दिला पाएं कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल उनके लिये लाभकारी है।

चिंतन-मनन

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य

भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) को कंधों पर गोला उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है। वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विध्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते। किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ! भगवान समझाते हैं-यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इसे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सावधान! घर बैठे कमाई वाला वो एक मैसेज आपको बना सकता है डिजिटल गुलाम

दिलीप कुमार पाठक

घर बैठे मोबाइल से कमाएं रोज के पांच हजार रुपए! आजकल फेसबुक, इंस्टाग्राम या व्हाट्सएप खोलते ही ऐसे लुभावने मैसेज हर तरफ तैरते हुए दिख जाते हैं। मंदी और बेरोजगारी के इस दौर में जब जेब तंग हो, तो ऐसे विज्ञापन किसी वरदान या लॉटरी जैसे लगते हैं। लेकिन जरा ठहरिए! जिस लिंक पर आप एक क्लिक करने जा रहे हैं, वो आपको अमीर बनाने का रास्ता नहीं, बल्कि एक ऐसे दलदल का रास्ता है जहाँ से आप कंगाल और बर्बाद होकर ही बाहर निकलेंगे। हर साल 30 जुलाई को दुनिया भर में मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस मनाया जाता है।

जब भी हम मानव तस्करी का नाम सुनते हैं, तो हमारे दिमाग में पुरानी फिल्मों जैसा कोई सीन आता है - जैसे किसी का जबरन किडनैप कर लेना, किसी मासूम को बंधक बनाकर मजदूरी कराना या भीख मंगवाना। लेकिन आज के इस चमचमाते डिजिटल जमाने में अपराधियों ने अपना तरीका पूरी तरह बदल लिया है। आज का सबसे नया और खतरनाक सच है साइबर स्लेवरी यानी डिजिटल गुलामी। अब इंसानों को किसी अंधेरी कोठरी में नहीं, बल्कि कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठाकर इंटरनेट की अदृश्य जंजीरों से गुलाम बनाया जा रहा है। इस पूरे काले खेल की शुरूआत बहुत ही सीधे और मासूम तरीके से होती है। आपको व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से मैसेज आएगा कि यूट्यूब वीडियो लाइक करो और घर बैठे पैसे कमाओ। आप उनके कहे अनुसार वीडियो लाइक करते हैं और आपके खाते में सचमुच 200-300 रुपए आ भी जाते हैं। यहाँ पर बड़ी चालाकी से आपका भरोसा जीत लिया जाता है। इसके बाद असली जाल बिछाया जाता है। वो आपसे कहेंगे कि अगर और ज्यादा मोटी कमाई करनी है, तो आपको थोड़ा पैसा इन्वेस्ट करना होगा। घर बैठे रातों-रात अमीर बनने के लालच में लोग अपनी जिंदगी भर की जमा-पूंजी, यहाँ तक कि कर्ज लेकर या घर के गहने बेचकर लाखों रुपए इन फर्जी वेबसाइट्स पर लगा देते हैं। जब तक हमें समझ आता है कि हम पूरी तरह लुट चुके हैं, तब तक स्क्रीन के उस पार बैठा ठग अपना डिजिटल बोरिया-बिस्तर समेटकर गायब हो चुका होता है। यह तो इस गंदे खेल का सिर्फ एक हिस्सा है।

इसका दूसरा और सबसे डरावना रूप वो है जो हमारे देश के पढ़े-लिखे युवाओं के साथ विदेशों में हो रहा है। कंबोडिया, म्यांमार और थाईलैंड जैसे देशों में डेटा एंट्री या कंप्यूटर ऑपरेटर की आलीशान नौकरी का लालच देकर भारतीय लड़कों को बुलाया जाता है। वहां पहुंचते ही उनके पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं और उन्हें बंदूक की नोक पर बड़ी-बड़ी इमारतों में बंद कर दिया जाता है। इसके बाद उनसे जबरन भारत में बैठे मासूम लोगों को फोन करके या मैसेज भेजकर ठगने का काम कराया जाता है। जो युवा ऐसा करने से मना करते हैं, उन्हें कई-कई दिनों तक भूखा रखा जाता है, लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा जाता है और करंट के झटके दिए जाते हैं। यानी हमारे ही देश के बेरोजगार लड़कों को बंधक बनाकर, उन्हीं के हाथों दूसरे भारतीयों को लुटवाया जा रहा है। यह स्थिति बेहद भयानक है। सरकार और पुलिस अपनी तरफ से कोशिश कर रही हैं, लेकिन सिर्फ पुलिस के भरोसे इस अदृश्य दुश्मन से नहीं जीता जा सकता। इस डिजिटल गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का एक ही तरीका है - हमारी खुद की समझदारी। हमें यह छोटी सी बात समझनी होगी कि दुनिया में कोई भी कंपनी बिना किसी मेहनत या बिना किसी इंटरव्यू के घर बैठे मुफ्त में पैसे नहीं बांटती। अगर कोई ऑफर जरूरत से ज्यादा अच्छा लग रहा है, तो समझ जाइए कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। अगर कभी अनजाने में आप ऐसे किसी जाल में फंस जाएं या आपके साथ कोई ऑनलाइन फ्रॉड हो जाए, तो डरने या समाज के डर से छिपने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। सरकार ने इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत भारत सरकार के राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। जितनी जल्दी आप इस नंबर पर शिकायत करेंगे, आपके पैसे वापस मिलने की उम्मीद उतनी ही ज्यादा होगी, याद रखिए, आपकी एक सावधानी आपको बर्बाद होने से बचा सकती है।

शिक्षा, पढ़ाई और अनुभव से आती है, कोचिंग या ट्यूशन से नहीं?

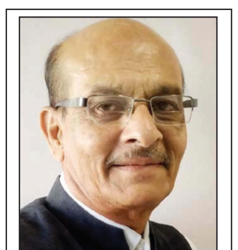

सनत जैन

पिछले तीन दशक से भारत की शिक्षा पद्धति में बड़ी तेजी के साथ बदलाव आया है। प्राइमरी स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक सभी जगह ट्यूशन और कोचिंग का एक नया जाल बुना गया है। इस जाल में फंसने के बाद बच्चों को रटन्तु विद्या तो हासिल हो जाती है, परीक्षा में उनके नंबर भी अच्छे आ जाते हैं, लेकिन जो ज्ञान उन्होंने पढ़कर हासिल किया है, उसका अनुभव नहीं आने पर ऐसा ज्ञान उनके कोई काम नहीं आता है। गुरु पूर्णिमा का अवसर है, गुरु राह दिखाता है। उसमें चलना शिष्य को पड़ता है। जब तक शिक्षा का ज्ञान अनुभव में ना आए, तब तक शिक्षा का कोई महत्व नहीं होता है। भारत में 1990 के बाद से एक ऐसा नया दौर शुरू हुआ है, जहां माता-पिता बच्चों को परीक्षा में मिले नंबरों से उनका आकलन करते हैं, यह ठीक नहीं है। हर बच्चे की बुद्धि अलग-अलग होती है। उसके सोचने का तरीका अलग होता है। उसका काम करने का तरीका अलग होता है। माना जाता है, ईश्वर ने हर जीव में अलग बुद्धि और अलग कौशल प्रदान किया है, जो समय और अनुभव के साथ आगे बढ़ता है। उच्च शिक्षा की पढ़ाई में पहले थ्योरी के साथ-साथ प्रेक्टिकल पर भी ध्यान दिया जाता था। मिडिल और हाई स्कूल के बच्चों को विविधता के साथ ज्ञान उपलब्ध हो, इसके लिए स्कूलों में तरह-तरह की पढ़ाई और अनुभव से बच्चों को जोड़कर रखा जाता था। पिछले 30 वर्षों में जिस तरीके से शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव आया है, उसमें हम रटंतू तोता तैयार कर रहे हैं। कोचिंग से शिक्षा लेने वाले छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर परीक्षा के बाद बहुत ज्यादा नंबर लेने, मेरिट में आने के बाद भी, जब उन्हें अनुभव नहीं मिलता है। परीक्षा के प्रवेश नहीं मिलता है, तो उनके ज्ञान का कोई महत्व नहीं रह जाता है। यह बात परीक्षार्थियों, उनके माता-पिता और अभिभावकों को समझनी होगी। हर बच्चे का पारिवारिक स्तर अलग होता है। उसके घर और परिवार में अलग-अलग तरीके का माहौल होता है। हर परिवार की जीवन शैली अलग होती है। सामाजिक जीवन में विकास के लिये भाषा और गणित का ज्ञान बहुत आवश्यक होता है। वर्तमान समय में तकनीकी ज्ञान भी बड़ा आवश्यक है। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल तकनीकी और कंप्यूटर आदि की जानकारी वर्तमान समय में जरूरी हो गई है। इसके लिए प्राथमिक जानकारी एवं उसका उपयोग बहुत आवश्यक है। हर व्यक्ति का भाषा ज्ञान और विज्ञान उसके काम आता है, जो उसकी जरूरत में सदैव बना रहता है। अनुभव और समय की मांग के आधार पर वह अपने ज्ञान को निरंतर बढ़ाता रहता है। ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है। अनुभव और समय के अनुसार नया ज्ञान हासिल करना जरूरत है। उसी ज्ञान के सहारे वह आगे बढ़ता चला जाता है। प.पू. आचार्य विद्यासागर जी महाराज कहते थे, बिल्ली जिस पंजे से शिकार करती है, उसी पंजे से अपने बच्चों का पालन भी करती है। जिसका शिकार करती है, उसे नुकसान होता है। उसी पंजे से बच्चों का पालन होता है। आचार्य विद्यासागर जी महाराज यह भी कहते थे, 50 शास्त्रों का ज्ञान और अनुभव का ज्ञान दोनों बराबर होते हैं। शास्त्रों में लिखा गया ज्ञान यदि अनुभव में नहीं आया है, तो उस ज्ञान का कोई महत्व नहीं है।

पिछले कुछ दशकों में सरकार ने जिस तरह की शिक्षा नीति बनाई है। उसमें नंबरों को आधार बनाकर बौद्धिक ज्ञान को नकार दिया गया है। उच्च शिक्षा की पढ़ाई में हर जगह अभ्यास के आधार पर परीक्षायें आयोजित हो रही हैं। परीक्षा में अधिक नंबर लाने के लिए ट्यूशन और कोचिंग संस्थानों की संख्या और उनका प्रभाव लगातार बढ़ता चला जा रहा है। 60 और 70 के दशक में विश्वविद्यालय में फर्स्ट डिवीजन के नंबर आने पर गोल्ड मेडलिस्ट बनने का सौभाग्य मिल जाता था। अब 95 फीसदी अंक लाने के बाद भी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश अथवा चयन होता है। जिस तरह पहले पहाडे को याद करा दिया जाता था। उसका उपयोग हमेशा होता था। बच्चों ने जो पहाडा, जोड़-घटाना, गुणा-भाग प्राइमरी में पढ़ा है, सारे जीवन वह याद रहता है। उसी ज्ञान के सहारे वह अपने करियर को निरंतर आगे बढ़ाते हैं। इसी तरह भाषा का ज्ञान हिंदी मातृ भाषा और अंग्रेजी का ज्ञान आज भी उनके लिए उपयोगी है, जो उन्होंने प्राइमरी मिडिल और हाई स्कूल में पढ़ा था। उच्च शिक्षा में आने के बाद जो ज्ञान हासिल हो रहा है, उसमें डिग्री तो मिल जाती है। जब उस डिग्री के ज्ञान का कोई उपयोग, अनुभव में नहीं आता है, तो उसका कोई महत्व नहीं रह जाता है। बच्चों और युवाओं के कई महत्वपूर्ण साल शिक्षा प्राप्त करने में खत्म हो जाते हैं। परिवार के लाखों रुपए पढ़ाई में खर्च हो जाते हैं। रोजगार, नौकरी तथा भविष्य को लेकर ठन-ठन गोपाल वाली स्थिति बनी हुई है। दुनिया में जो तकनीकी कई दशकों में ईजाद हुई है उसके लिए कोई विशेष पढ़ाई करने की जरूरत कभी नहीं हुई। जिस व्यक्ति ने सोच लिया, हमें यह ज्ञान हासिल करना है, उसने हासिल करके ही अपनी पहचान बनाई है। इस बात को हमें भूलना नहीं चाहिए। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हमें सोचना होगा आज का वर्तमान कल का भविष्य बनेगा। भारत में इस समय युवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है। बच्चों की जनसंख्या घटना शुरू हो गई है। ऐसी स्थिति में हमें अपने भविष्य को बेहतर बनाना है, तो शिक्षा पद्धति में बदलाव लाना पड़ेगा। हर मस्तिष्क का उपयोग उसकी क्षमता और अनुभव के आधार पर हो। तभी स्वयं को परिवार और देश को आगे बढ़ाने में शिक्षा का महत्व है। वर्तमान में चीन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। चीन ने 12 हजार से अधिक रोजगार मूलक डिग्री शुरू की है। भारत में गुरु द्रोणाचार्य और एकलव्य की चर्चा होती है। जिस शिष्य को गुरु ने स्वीकार नहीं किया, उसी शिष्य ने द्रोणाचार्य को गुरु के रूप में स्वीकार किया। आस्था- विश्वास और अभ्यास से उनके परम शिष्य अर्जुन से आगे निकल गए। गुरु द्रोणाचार्य को एकलव्य का अंगूठा मांगना पड़ा। गुरु पूर्णिमा के अवसर ज्ञान के सभी गुरुओं को शत-शत प्रणाम।

मित्रता है मानवता का सबसे मजबूत सेतु

आज का विश्व अभूतपूर्व वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उत्कर्ष का साक्षी है, लेकिन इसके समानांतर एक कठोर सच्चाई भी हमारे सामने है-मनुष्य पहले से अधिक अकेला, तनावग्रस्त और संबंधों से विहीन होता जा रहा है। परिवार छोटे हुए हैं, संवाद सीमित हुआ है, विश्वास कमजोर पड़ा है और संवेदनाएं लगातार क्षीण हो रही हैं। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को बचाने का एक सांस्कृतिक और नैतिक अभियान है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रत्येक वर्ष 30 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस इस विश्वास को मजबूत करता है कि मित्रता केवल दो व्यक्तियों के बीच का संबंध नहीं, बल्कि देशों, संस्कृतियों, समुदायों और सम्पूर्ण मानवता के बीच शांति का सेतु है। 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिवस को मान्यता देते हुए स्पष्ट किया था कि यदि दुनिया में स्थायी शांति स्थापित करनी है तो उसके लिए हथियारों से अधिक प्रभावी माध्यम मित्रता, संवाद और पारस्परिक सम्मान है।

नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल 'रिश्ता' नहीं बल्कि एक मनःस्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना।

भारतीय संस्कृति ने तो हजारों वर्षों पूर्व ही इस सत्य को स्वीकार कर लिया था। हमारे यहां 'मित्रस्य चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षन्ताम्' अर्थात् समस्त प्राणियों को मित्र-दृष्टि से देखने की कामना की गई है। जैन दर्शन का मैत्री भाव, बौद्ध धर्म की मैत्री भावना, उपनिषदों का वसुधैव कुटुम्बकम् तथा संत परम्परा का प्रेम-दर्शन इसी वैश्विक मित्रता की आधारशिला हैं। मित्रता संसार का सबसे स्वाभाविक और सबसे स्वतंत्र संबंध है। जन्म से मिलने वाले रिश्तों के विपरीत मित्रता का चुनाव मनुष्य स्वयं करता है। इसमें न रक्त का बंधन है, न किसी सामाजिक अनुबंध की बाध्यता। यह विश्वास, आत्मीयता, सम्मान और स्वीकार्यता पर आधारित वह रिश्ता है जिसमें व्यक्ति बिना किसी भय और संकोच के स्वयं को अभिव्यक्त कर सकता है। सच्चा मित्र हमारी सफलताओं पर प्रसन्न होता है और हमारी

असफलताओं में सबसे पहले हमारे साथ खड़ा दिखाई देता है।

श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता भारतीय संस्कृति में केवल दो मित्रों की कहानी नहीं है, बल्कि यह बताती है कि मित्रता का मूल्य धन, पद और वैभव से कहीं ऊपर है। श्रीराम और विभीषण की मित्रता यह संदेश देती है कि सत्य और धर्म के आधार पर स्थापित संबंध कभी नष्ट नहीं होते। इतिहास में ऐसी अनेक मित्रताएं हमें यह सिखाती हैं कि सच्चा मित्र वही है जो हमारे व्यक्तित्व का विस्तार बने, हमारे विवेक को जागृत करे और कठिन समय में हमारा संबल बने। किन्तु आज एक गंभीर प्रश्न हमारे सामने है-यदि मित्रता इतनी महान है तो समाज में वैमनस्य, हिंसा, घृणा और अविश्वास क्यों बढ़ रहा है? परिवारों में संवाद क्यों टूट रहा है? विचारों का मतभेद मनभेद में क्यों बदल जाता है? सोशल मीडिया पर हजारों 'फॉलोअर्स' होने के बावजूद मनुष्य भीतर से इतना अकेला क्यों है?

इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि हमने संबंधों को सुविधा का साधन बना लिया है। आज मित्रता भी स्वार्थ, उपयोगिता और अवसरवाद के तराजू पर तौली जाने लगी है। जब तक लाभ है तब तक मित्रता है, लाभ समाप्त होते ही संबंध भी समाप्त हो जाते हैं। ऐसी क्षणिक मित्रता वास्तव में केवल परिचय होती है, आत्मीयता नहीं। जहां स्वार्थ प्रवेश करता है, वहां विश्वास धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। तकनीक ने हमें जोड़ने का दावा किया, लेकिन उसने संवाद की आत्मा भी कहीं छीन ली। आज लोग घंटों मोबाइल स्क्रीन पर सक्रिय रहते हैं, परंतु अपने परिवार और मित्रों के साथ कुछ मिनट भी मन से नहीं बैठ पाते। इमोजी ने भावनाओं का स्थान ले लिया है और 'ऑनलाइन' रहने वाला व्यक्ति वास्तविक जीवन में भावनात्मक रूप से 'ऑफलाइन' होता जा रहा है। यही कारण है कि अकेलापन आज विश्व स्वास्थ्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में गिना जाने लगा है।

विश्व के अनेक देशों में युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, नस्लीय भेदभाव और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्यों के बीच दीवारें खड़ी कर दी हैं। ऐसे वातावरण में मित्रता केवल व्यक्तिगत सुख का माध्यम नहीं, बल्कि विश्व शांति की आवश्यकता बन गई है। यदि राष्ट्र मित्रता की भाषा सीख लें, यदि समाज संवाद का मार्ग अपनाए और यदि व्यक्ति दूसरे के दुःख को अपना दुःख समझने लगे तो अनेक संघर्ष स्वतः समाप्त हो सकते हैं। मित्रता का वास्तविक अर्थ केवल साथ घूमना, हँसना और उत्सव मनाना नहीं है। मित्रता का अर्थ है दूसरे के सम्मान की रक्षा करना, उसकी अनुपस्थिति में भी उसके प्रति निष्ठावान रहना, उसकी कमियों को स्वीकार करते हुए उसके विकास में सहयोग देना तथा आवश्यकता पड़ने पर सत्य कहने का साहस रखना। जो मित्र केवल प्रशंसा करता है, वह हितैषी नहीं हो सकता। सच्चा मित्र वह है जो समय आने पर हमारी भूलों का भी निष्पक्ष संकेत करे।

आज आवश्यकता मित्रता की नई परिभाषा गढ़ने की है। मित्रता प्रेम से आगे बढ़कर करुणा का पर्याय बने। प्रेम में कभी-कभी अधिकार और अपेक्षाएं जन्म लेती हैं, जबकि करुणा में केवल समर्पण और परमार्थ होता है। जब मित्रता करुणा पर आधारित होती है, तब उसमें ईर्ष्या, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के लिए कोई स्थान नहीं बचता। यदि हम अपने जीवन में कुछ सरल सूत्रों को अपनाएं तो मित्रता का यह संबंध अधिक सशक्त बन सकता है एक-दूसरे की अच्छाइयों और कमियों को सहजता से स्वीकार करना, संवाद को कभी समाप्त न होने देना, विश्वास और पारदर्शिता बनाए रखना, कठिन समय में साथ खड़ा रहना तथा मित्रता को समय देना। संबंध समय मांगते हैं, केवल संदेश भेजने से आत्मीयता नहीं बनती। अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस विशेष रूप से युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज की पीढ़ी डिजिटल माध्यमों से दुनिया भर से जुड़ रही है। यदि यही युवा विविध संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं का सम्मान करते हुए वैश्विक मित्रता का संदेश फैलाएं तो आने वाला विश्व अधिक शांतिपूर्ण और मानवीय हो सकता है। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए जो संवाद, सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करें।

जैन आचार्यों ने मैत्री, प्रमोद, करुणा और मध्यस्थ जैसे चार भावों के माध्यम से मानव संबंधों का अद्भुत दर्शन प्रस्तुत किया है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने मन में केवल मैत्री का भाव विकसित कर ले तो न घृणा बचेगी, न हिंसा और न ही वैमनस्य। महावीर का संदेश-'सभी जीव मेरे मित्र हैं, किसी से मेरा वैर नहीं'-आज के विश्व के लिए सबसे प्रासंगिक जीवन-दर्शन है। यह भी स्मरण रखना होगा कि मित्रता केवल समान विचारों वालों के बीच नहीं होती। विचार-भिन्नता स्वाभाविक है, लेकिन मन-भिन्नता विनाशकारी है। विचार-भेद से नए विचार जन्म लेते हैं, जबकि मन-भेद रिश्तों को तोड़ देता है। लोकतंत्र हो या परिवार, संस्था हो या समाज-जहाँ संवाद जीवित रहता है, वहाँ मित्रता भी जीवित रहती है।

आज जब रिश्तों की जमीन सूख रही है, संवेदनाएं बिखर रही हैं और मनुष्य स्वयं को भीड़ में भी अकेला महसूस कर रहा है, तब अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस हमें याद दिलाता है कि दुनिया को सबसे अधिक आवश्यकता नई तकनीक की नहीं, बल्कि नए विश्वास की है, नई प्रतिस्पर्धा की नहीं बल्कि नई करुणा की है, नई शक्ति की नहीं बल्कि नई मित्रता की है। हम अपने जीवन में कम-से-कम एक ऐसा संबंध अवश्य बनाएं जिसमें स्वार्थ नहीं, विश्वास हो। अपेक्षा नहीं, अपनापन हो। अधिकार नहीं, सम्मान हो और केवल साथ चलने का नहीं, साथ निभाने का संकल्प हो। यही मित्रता की सच्ची साधना है, यही मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही विश्व शांति का सबसे विश्वसनीय मार्ग भी है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

विद्यालय विकास में अभिभावकों का सहयोग अतुलनीय:- रामवीर सिंह

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को विकास खंड क्षेत्र गंगेश्वरी के उच्च प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया। बैठक में छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने प्रतिभाग किया। विद्यालय विकास को लेकर सभी ने अपने विचार साझा किए। बैठक को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, ब्लॉक गंगेश्वरी के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि किसी भी विद्यालय की सफलता में अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यदि अभिभावक और शिक्षक मिलकर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करें तो शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने, उनकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने तथा घर पर भी अध्ययन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।विद्यालय के इंचार्ज अध्यापक मदनपाल ने उपस्थित अभिभावकों से विद्यालय के विकास कार्यों एवं शैक्षिक गतिविधियों में निरंतर सहयोग प्रदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण एवं उनके शैक्षिक उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही उन्होंने अभिभावकों को बच्चों के अनुशासन, स्वच्छता और नियमित अध्ययन के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर इंचार्ज अध्यापक मदनपाल, विलेश चौहान, सतेंद्र सिंह, संतराम सिंह, कुंवरपाल, महीपाल सिंह, पप्पू सिंह, सतपाल सिंह, संजय सिंह, चन्द्रमुखी, रजनी, पल्लवी, जगवती, नंदनी, सुनीता, मुन्नी, बीना, रजनी, संतोष सहित अनेक अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ट्रेन में यात्रा के दौरान युवक को आया हार्टअटैक, मौत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार को ट्रेन में यात्रा करते समय एक युवक की हार्टअटैक आने से मौत हो गयी। मृतक के साथी ने गजरौला पहुंच कर जीआरपी पुलिस को इसकी सूचना दी। जीआरपी पुलिस ने शव को ट्रेन से उतरवाकर नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।
बता दें कि इस मामले प्राप्त जानकारी अनुसार बताया गया कि जनपद पीलीभीत के थाना अमरिया क्षेत्र के गांव भूड़ा कैमूर निवासी रामकुंवर पुत्र पोतीराम हार्टअटैक का मरीज था और वह मंगलवार की शाम को अपने साले के साथ पूर्णागिरी एक्सप्रेस ट्रेन से हार्टअटैक की दवाई लेने के लिये जीबी पंत अस्पताल दिल्ली था रहा था। मृतक के साले के अनुसार मुरादाबाद पार करने के बाद रामकुवंर की हालत में बिगड़ने लगी ओर वह बेहोश हो गया। जैसे ही ट्रेन गजरौला रेलवे स्टेशन पर आकर रुकी तो साले ने घटना के बारे में जीआरपी पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस ने आनन-फानन में 108 एंबुलेंस की सहायता से रामकुंवर को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने रामकुंवर को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मृतक का साला शव को घर ले गया। रामकुवंर की मौत से उसके परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

गजरौला क्षेत्र में हथियारबंद बदमाशों ने की चार लाख की लूट,महिला व दो बच्चों को बंधक बनाकर दिया घटना को अंजाम

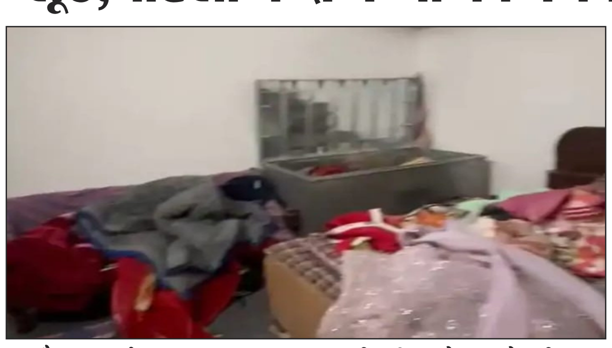

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार की रात कुछ हथियारबंद बदमाश दीवार फांदकर एक पेंटर के घर में घुस गए जिन्होंने घर में मौजूद महिला व उसके दो बच्चों को पहले बंधक बनाया और उसके बाद करीब 4 लाख के माल पर हाथ साफ कर दिया और मौके से फरार हो गए। लूट के समान में 1.60 लाख रुपए नगद और सोने चांदी के आभूषण शामिल है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बता दें कि पूरा मामला कोतवाली क्षेत्र के गांव नौनेर का है जहां के निवासी रिफाकत पेंटर के घर में चार हथियार बंद बदमाश दीवार फांदकर घुस गए। रिफाकत दिल्ली में फर्नीचर का काम करते हैं और घटना के समय घर पर नहीं थे। बदमाशों ने उनकी पत्नी नसरीन और दोनों बच्चों अलफैज व सैफ को बंधक बना लिया।बदमाश करीब दो घंटे तक घर में रहे। इस दौरान उन्होंने अलमारी, संदूक, डबल बेड और राशन रखने की टंकी तक खंगाल डाली। आरोप है कि बदमाश 1.60 लाख नकद, सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान समेत कुल करीब ड्ढ4 लाख का माल लेकर फरार हो गए।वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश घर का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद कर चले गए। उनके जाने के बाद नसरीन ने सबसे पहले पास में रहने वाले अपने देवर लियाकत को फोन कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने दिल्ली में मौजूद अपने पति रिफाकत को भी पूरी घटना से अवगत कराया।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पीड़ित परिवार ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

धनौरा पुलिस ने एक वांछित अभियुक्ता को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की थाना मंडी धनौरा पुलिस ने एक वांछित महिला अपराधी को गिरफ्तार करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया है। धनौरा पुलिस द्वारा इस कार्यवाही को अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा चेकिंग संबंधित व्यक्ति/वाहन में तलाश वांछित लोगों के खिलाफ चलाए गए अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में एवं क्षेत्र अधिकारी मंडी धनौरा अंजलि कटारिया के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र सरोहा के कुशल नेतृत्व में किया गया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तता का नाम लीलावती पत्नी रामचंद्र निवासी ग्राम ताजपुर लहदवर, थाना मंडी धनौरा, जनपद अमरोहा जिसकी उम्र करीब 60 वर्ष है।
पुलिस द्वारा गिरफ्तार की गई महिला अभियुक्ता के खिलाफ अपराध की संबंधित धाराओं में वैधानिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

उत्तर प्रदेश मोती संवर्धन योजना 2026-27 से किसानों की आय में होगी अभूतपूर्व वृद्धि

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में उत्तर प्रदेश सरकार की मत्स्य विभाग द्वारा शुरू की गई उत्तर प्रदेश मोती संवर्धन योजना 2026-27 किसानों एवं मत्स्य पालकों के लिए एक अभिनव पहल साबित होने जा रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों का उपयोग कर मोती संवर्धन के माध्यम से अतिरिक्त आय के अवसर उपलब्ध कराना है। सहायक निदेशक मत्स्य नीतू सिंह ने बताया कि योजना के अंतर्गत खेत तालाब योजना में 440 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले तालाबों का निर्माण किया जाएगा, जिसकी इकाई लागत डेढ़ लाख रुपये निर्धारित की गई है। साथ ही निजी कच्चे तालाबों के मामले में एक एकड़ से अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों के लिए इकाई लागत 0.50 लाख रुपये प्रति एकड़ तथा बड़े तालाबों के लिए 10 लाख रुपये तक की सहायता उपलब्ध होगी। योजना का लाभ उठाने के लिए इच्छुक लाभार्थियों के पास निजी स्वामित्व का तालाब होना आवश्यक है। तालाब की औसत गहराई न्यूनतम 5 फीट होनी चाहिए। योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को तालाब निर्माण, मोती बीज उपलब्धता, तकनीकी सहायता और विपणन सुविधा भी प्रदान की जाएगी। नीतू सिंह ने बताया कि यह योजना आय स्रोत विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे किसान मोती उत्पादन कर अच्छी आय अर्जित कर सकेंगे। योजना का लाभ लेने के इच्छुक पात्र व्यक्ति मत्स्य विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिकारियों ने सभी किसानों से अपील की है कि वे योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने तालाबों को आय का स्रोत बनाएं।

श्रावण कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने हेतु पुलिस अधीक्षक ने की ब्रीफिंग

रिजर्व पुलिस लाइन में कांवड़ ड्यूटी में लगे पुलिसकर्मियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव ने रिजर्व पुलिस लाइन, अमरोहा में कांवड़ ड्यूटी में लगाए गए समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ब्रीफिंग की। ब्रीफिंग के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा सहित जनपद के समस्त थानों एवं विभिन्न शाखाओं से कांवड़ ड्यूटी में नियुक्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि वे अपने निर्धारित ड्यूटी स्थल पर पूर्ण सतर्कता, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी का निर्वहन करें। कांवड़ यात्रियों के साथ विनम्र व्यवहार रखते हुए उनकी सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए उच्चाधिकारियों को समय से अवगत कराया जाए। इसके अतिरिक्त एसपी ने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने, संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता, अफवाहों पर प्रभावी नियंत्रण, सोशल मीडिया पर सतत निगरानी तथा आपसी समन्वय स्थापित कर सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि श्रावण कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी निष्ठा, सतर्कता एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, जिससे जनपद में कांवड़ यात्रा सकुशल एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

हसनपुर पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले अन्तर्राज्यीय गैंग का किया खुलासा, 04 शातिर गिरफ्तार, 09 बाइक-1 स्कूटी बरामद

अमरोहा (सब का सपना):- अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना हसनपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले अन्तर्राज्यीय गैंग का खुलासा कर 04 शातिर अभियुक्त/वाहन चोर गिरफ्तार किए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से थाना गजरौला, रहरा, आदमपुर, हसनपुर व जनपद बुलंदशहर से चोरी की हुई 09 मोटर साईकिल व 01 स्कूटी बरामद की गई हैं। बरामद वाहनों की अनुमानित कीमत लगभग 8 लाख रुपये है। 28 जुलाई 2026 की रात्रि करीब 04 बजे चेकिंग के दौरान रामपुर भूड़ रोड स्थित काशीराम कॉलोनी के पास बने खंडहरनुमा कमरे के पास से पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। दिनेश पुत्र रामफल निवासी ग्राम कल्याण वाली मढईया, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जिला हापुड़, ईश्वरचंद पुत्र हरफूल सिंह निवासी मो0 अम्बेडकरनगर, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जिला हापुड़, बंटी शर्मा उर्फ बोबी पुत्र हजारी, निवासी ग्राम बरौली, थाना स्याना, जिला बुलंदशहर, हाल निवासी मौ0 रिफ्यूजी कालोनी, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जिला हापुड़, कुंदन सिंह पुत्र खचेड़ू सिंह निवासी मी0 घोसीयान, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जिला हापुड़ गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म के वाहन चोर हैं। ये आर्थिक लाभ हेतु अपने साथियों के साथ मिलकर अमरोहा, बुलंदशहर आदि जगहों से दो पहिया वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। चोरी की हुई मोटरसाईकिलों को ग्राहकों को धोखा देकर अच्छे दामों में बेचकर आर्थिक लाभ कमाते थे।पुलिस ने बरामद वाहनों को कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

भाकियू शिक्षक प्रकोष्ठ संघ द्वारा नवागंतुक खण्ड शिक्षा अधिकारी उदयवीर का भव्य स्वागत

कार्यभार ग्रहण करने पर फूल-मालाएं पहनाकर किया सम्मानित, शिक्षक हित में कदम उठाने का दिया आश्वासन

गंगेश्वरी/अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को विकास खण्ड गंगेश्वरी स्थित बीआरसी कार्यालय में भाकियू शिक्षक प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों एवं शिक्षकों द्वारा नवागंतुक खण्ड शिक्षा अधिकारी उदयवीर सिंह का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई ब्लॉक अध्यक्ष हेमराज कोहली व ब्लॉक मंत्री विजय धामा ने की। कार्यभार ग्रहण करने पर खण्ड शिक्षा अधिकारी को फूल-मालाएं पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। स्वागत कार्यक्रम के उपरांत संघ पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी के मध्य विभाग से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। उपस्थित सभी शिक्षकों ने उनके सफल एवं प्रेरणादायक कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की। साथ ही ऊजार्वान ARP कमल दीपेंद्र का भी शिक्षक साथियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी ने सभी समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए ब्लॉक स्तर पर शिक्षक हित में अहम कदमउठाने का आश्वासन दिया। कार्यकारिणी से ओमप्रकाश सिंह, रोनित चौधरी, सिन्टू सिंह, मोहित कुमार, दयाल तोमर, सतपाल सिंह (पूर्व ARP) आदि। शिक्षक साथियों में योगराज सिंह, बिजेन्द्र सिंह, नन्हे सिंह, कमल सिंह, पुष्पेन्द्र भड़ाना, प्रयत्न कुमार, नीरज मलिक, सचिन मलिक, रंजीत कुमार, संजीव कुमार, रवि मान, अजय मान, सुरेश चौहान, पंकज सिंह, प्रवेश कुमार, जयप्रकाश, विक्रम, आशीष चौधरी, अभिषेक, सुखबीर सिंह, विपिन दांगी, मनोज कुमार आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

पूर्णिमा के अवसर पर गंगा धाम तिगरी व बृजघाट में उमड़ा आस्था का सैलाब

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के ब्रजघाट एवं गंगा धाम तिगरी में बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गंगा घाट पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं को सैलाब उमड़ता दिखाई दिया। इस अवसर पर बुधवार की तड़के हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। उधर गंगा में लगातार बढ़ते जल स्तर को देखते हुए प्रशासन भी अलर्ट मोड पर दिखाई दिया। बता दें कि बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं ने गंगा किनारे पुरोहितों से हवन-यज्ञ कराकर जीवन में खुशहाली की कामना की। कई लोगों ने गंगा घाट पर भूखों को भोजन कराया और निराश्रितों को दान-दक्षिणा तथा कपड़े भेंट किए।गंगा स्नान का सिलसिला बुधवार तड़के ब्रह्म मुहूर्त से शुरू होकर सुबह दस बजे तक जारी रहा। इस दौरान "हर-हर गंगे" के जयकारों से गंगा घाट गूंज उठे।ब्रजघाट में मुरादाबाद, हापुड़, गजरौला, मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, दिल्ली और हरियाणा जैसे विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु स्नान के लिए पहुंचे थे। तिगरीधाम में भी गजरौला, धनौरा, चांदपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए।बढ़ते जलस्तर के कारण प्रशासन ने घाटों पर पुलिस बल और गोताखोर तैनात किए थे। गहरे जल के संकेतक बोर्ड लगाए गए और बैरिकेडिंग भी की गई। पुलिसकर्मी लगातार श्रद्धालुओं को गंगा के बढ़े हुए जलस्तर के प्रति सचेत करते रहे ताकि कोई अनहोनी न हो।गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि तिगरीधाम और ब्रजघाट में स्नान करने आए श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद रही।
उन्होंने यह भी बताया कि गंगा का जलस्तर बढ़ा हुआ है, इसलिए पुलिस श्रद्धालुओं को सावधानी के साथ स्नान करने की सलाह दे रही है। गोताखोर भी किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैनात रहे।

ओवरस्पीडिंग करने वालों के लिए चेतावनी, पुलिस की नई तकनीक से बचना मुश्किल

बहजोई/संभल(सब का सपना):- सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और आमजन की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सम्भल यातायात पुलिस ने हाईटेक इंटरसेप्टर दोपहिया वाहनों के माध्यम से विशेष प्रवर्तन अभियान शुरू किया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के पर्यवेक्षण में यह अभियान जनपदभर में लगातार चलाया जा रहा है। यातायात निदेशालय लखनऊ से प्राप्त दो आधुनिक इंटरसेप्टर दोपहिया वाहनों में लेजर स्पीड गन सहित अत्याधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। ये वाहन 800 मीटर की दूरी से तेज गति से चल रहे वाहनों की फोटो कैप्चर कर ओवरस्पीड चालान करने में सक्षम हैं। इसके अलावा इनमें पीए सिस्टम विद मल्टी टोन सायरन, रेड एवं ब्लू फ्लैशिंग लाइट, मोपिड फोर माउंटिंग, हेलमेट तथा साइड स्टोरेज हाउसिंग जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यातायात पुलिस के अनुसार जनपद के राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों, दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट और गंगा एक्सप्रेस-वे पर निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध समय-समय पर अलग-अलग स्थानों पर अभियान चलाकर चालान किए जाएंगे। इंटरसेप्टर वाहन किसी भी स्थान पर स्पीड की निगरानी कर वैधानिक कार्रवाई कर सकते हैं। अभियान के दौरान ओवरस्पीडिंग के साथ-साथ अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध भी मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण तेज रफ्तार है।

निर्धारित गति सीमा का पालन कर कई दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है और अमूल्य मानव जीवन की रक्षा की जा सकती है।

गति पर रखें नियंत्रण, तभी सुरक्षित रहेगा आपका जीवन। सड़क पर जल्दबाजी नहीं, जिम्मेदारी दिखाइए। निर्धारित गति सीमा का पालन करें, यातायात नियमों का सम्मान करें और सुरक्षित यात्रा करें।

गुरु पूर्णिमा पर बाबा खाटू श्याम मंदिर में सजा खीर का भंडारा, कृपा राम डेरी ने निभाई सेवा की जिम्मेदारी

बहजोई/संभल (सब का सपना):- गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बहजोई स्थित बाबा खाटू श्याम मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और भव्य खीर के भंडारे का आयोजन किया गया। यह सेवा कार्य कृपा राम डेरी के स्टाफ द्वारा पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न कराया गया। बुधवार सुबह दस बजे से शुरू हुए इस भंडारे में मंदिर दर्शन करने आए श्रद्धालुओं के साथ-साथ मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों को भी खीर का प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन के दौरान बाबा खाटू श्याम के भजनों और जयकारों की गूंज से आसपास का पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में कृपा राम डेरी के मुगनेंद्र शर्मा, प्रमोद कुमार सिंह और अंशुल ठाकुर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं डेरी के अन्य सदस्यों ने भी प्रसाद वितरण व्यवस्था में अपना योगदान दिया। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने बाबा के दर्शन कर सभी के कल्याण और समृद्धि की कामना की।

परिषदीय विद्यालयों के विकास में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

पीएम श्री विद्यालय, ऑपरेशन कायाकल्प और निपुण भारत मिशन की समीक्षा, जर्जर भवनों व सुविधाओं में सुधार पर जोर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में बुधवार को बेसिक शिक्षा विभाग की जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में परिषदीय विद्यालयों के आधारभूत विकास, पीएम श्री विद्यालयों, ऑपरेशन कायाकल्प, निपुण भारत मिशन तथा विभिन्न शैक्षिक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने पीएम श्री विद्यालयों में विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए बबराला और गवां के पीएम श्री विद्यालयों में सोलर पैनल लगाने के प्रस्ताव पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही बहजोई, सिरसी और नरौली के 58 आंगनबाड़ी केंद्रों पर वजन मशीन, स्टेडियोमीटर और इन्फैन्टोमीटर उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। बैठक में जनपद के 46 जर्जर विद्यालय भवनों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग को शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत विद्यालयों में शौचालय, पेयजल, विद्युत, रखरखाव और अन्य सुविधाओं का सत्यापन कराने तथा 15 दिनों के भीतर कराए गए कार्यों के जियो-टैग फोटो उपलब्ध कराने को कहा। जिलाधिकारी ने विद्यालयों में मिड-डे मील शेड, पिंक शौचालय, पोषण शेड और दिव्यांग अनुकूल शौचालयों के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही भवनविहीन और कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों की सूची तैयार करने तथा विकास कार्यों की प्राथमिकता तय करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालयों में बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। जो छात्र लगातार अनुपस्थित रहते हैं, उनके अभिभावकों से संपर्क कर कारण पता लगाया जाए। दिव्यांग बच्चों के प्रमाण-पत्र बनाने के लिए विकासखंड स्तर पर विशेष शिविर आयोजित करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) सभी खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में तीन जोड़ों की हुई सुलह

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के आदेशानुसार अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) मनोज रावत एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई स्तुति सिंह के निर्देशन में पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी चंदौसी में यह बैठक महिला थानाध्यक्ष एवं परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के दौरान पति-पत्नी के बीच जारी आपसी विवादों को काउंसलरों की मदद से सुलझाने का सार्थक प्रयास किया गया। परामर्श केंद्र के समक्ष कुल 48 मामलों पत्रावलियों की सुनवाई की गई जिनमें से 13 मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण कर दिया गया। काउंसलरों की समझाइश से 3 मामलों में पति-पत्नी के बीच समझौता कराया गया और वे खुशी-खुशी साथ रहने के लिए राजी हुए। दो मामलों में कोई सहमति न बनने पर आगे की कानूनी/विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई। आठ मामलों में आवेदकों द्वारा रुचि न लेने या अन्य कारणों से पत्रावलियों को बंद कर दिया गया। इस दौरान परिवार परामर्श केंद्र की काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, सब इंस्पेक्टर महेश गंगवार और हेड कांस्टेबल रुचि सहित आदि मौजूद रहे।

सपा ने श्रद्धापूर्वक मनाई महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती, सामाजिक एकता का दिया संदेश

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर बुधवार को जिला संभल में गुमथल रोड स्थित पार्टी कार्यालय पर महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने महाराजा दक्ष प्रजापति के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि महाराजा दक्ष प्रजापति सृष्टि के संचालन, कर्म, अनुशासन और सामाजिक एकता के प्रतीक थे। उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार पीडीए समाज का उत्पीड़न कर रही है और सभी वर्गों को एकजुट होकर वर्ष 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने गुरु पूर्णिमा की भी सभी को शुभकामनाएं दीं।

वरिष्ठ नेता सतीश प्रेमी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा और महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती एक ही दिन पड़ने से इस अवसर का महत्व और बढ़ गया है। वहीं जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने महाराजा दक्ष प्रजापति के विचारों को वर्तमान समय में भी प्रासंगिक बताते हुए शिक्षा, स्वावलंबन और सामाजिक एकता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश प्रजापति ने समाज के लोगों से महाराजा दक्ष प्रजापति के बताए मार्ग पर चलने तथा शिक्षा, परिश्रम और संस्कार को अपनाने का आह्वान किया। पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमारी ने भी कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटने की अपील की।

इस दौरान यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा में जिला संभल में प्रथम तथा मंडल में चौथा स्थान प्राप्त करने वाले छात्र नितेश प्रजापति को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महेश प्रजापति, उमेश यादव, पूरनलाल मौर्य, प्रदेश सचिव कामरेड रेवाराम, रामप्रसाद प्रजापति सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं प्रजापति समाज के लोग उपस्थित रहे।

पुलिस की तत्परता से मिला बिछड़ा मासूम, परिजनों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

रेलवे स्टेशन के बाहर रोता मिला बच्चा, महज एक मिनट में पहुंची पुलिस ने परिजनों को किया सुपुर्द

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में यूपी-112 पुलिस की त्वरित कार्रवाई से रेलवे स्टेशन के बाहर रोता मिला 10 वर्षीय बालक सकुशल अपने परिजनों से मिल गया। पुलिस की इस संवेदनशील पहल की कॉलर और परिजनों ने सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। जानकारी के अनुसार यूपी-112 को सूचना मिली कि चन्दौसी रेलवे स्टेशन के बाहर एक करीब 10 वर्षीय बच्चा रो रहा है और घर का रास्ता भूल गया है। सूचना मिलते ही पीआरवी टीम महज एक मिनट में मौके पर पहुंच गई। पूछताछ में बच्चे ने अपना नाम वंश पुत्र अर्जुन निवासी मोहल्ला कबीर सिकरी गेट, चन्दौसी बताया। पीआरवी कर्मियों ने तत्काल थाना चन्दौसी और कंट्रोल रूम को सूचना देने के साथ ही बच्चे को अपने साथ लेकर उसके बताए पते के आसपास परिजनों की तलाश शुरू कर दी। काफी प्रयास के बाद बच्चे के मामा सुमित पुत्र हरिकिशोर मिले। उन्होंने बताया कि वंश अपने माता-पिता के साथ दिल्ली में रहता है और बिना बताए बस से चन्दौसी आ गया था। पहचान की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने बच्चे को सकुशल उसके मामा के सुपुर्द कर दिया। बच्चे के परिजनों ने यूपी-112 पुलिस की त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलता की सराहना करते हुए पुलिस टीम का धन्यवाद किया।

केनरा बैंक आरसेटी बहजोई में हर्षोल्लास से मनाई गई गुरु पूर्णिमा

प्रशिक्षुओं ने गुरु के प्रति जताया आभार, स्वरोजगार शुरू करने का लिया संकल्प

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), बहजोई में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। संस्थान में संचालित बैच-70 (जूनियर ब्यूटी पार्लर) तथा बैच-71 (जूट उत्पाद निर्माण) के प्रशिक्षुओं ने गुरु के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं ने गुरु-शिष्य परंपरा का महत्व बताते हुए अपने प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर जल्द से जल्द अपना स्वरोजगार शुरू करने का संकल्प लिया। उन्होंने गुरु के बताए मार्ग पर चलने और अपने कौशल का बेहतर उपयोग करने की बात कही। संस्थान के संकाय संतोष कुमार ने गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए गुरु का मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि संस्थान में प्रशिक्षण के साथ-साथ सामाजिक एवं पर्यावरणीय दायित्वों के प्रति भी प्रशिक्षुओं को जागरूक किया जाता है, ताकि वे एक जिम्मेदार नागरिक और सफल उद्यमी बन सकें। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षुओं ने गुरु-शिष्य परंपरा का सम्मान बनाए रखने और अपने जीवन में सीखी गई शिक्षाओं का पालन करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्थान के संकाय संतोष कुमार, मानसी शर्मा, कार्यालय सहायक सुजीत सिंह, प्रशिक्षक मीरा एवं दीप्ति सहित संस्थान के अन्य सदस्य तथा बैच-70 और बैच-71 के सभी प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा से पहले सड़कों पर घूम रहे निराश्रित गोवंशों को गोशालाओं में भेजने की उठी मांग

संभल(सब का सपना):- सावन माह और आगामी कांवड़ यात्रा को देखते हुए नगर पालिका परिषद संभल के नामित सभासद सैय्यद शान अली ने चौधरी सराय चौराहे पर सड़कों पर घूम रहे निराश्रित गोवंशों को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने बताया कि चौराहे पर एक दर्जन से अधिक गोवंश बदहाल अवस्था में सड़कों पर भटक रहे हैं, जिससे न केवल पशुओं की सुरक्षा प्रभावित हो रही है बल्कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं और आम राहगीरों के लिए भी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। सैय्यद शान अली ने जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद से मांग की है कि इन असहाय गोवंशों को तत्काल सुरक्षित गोशालाओं में पहुंचाया जाए।

साथ ही उनके लिए चारे, पानी और आवश्यक उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि वे सड़कों पर न भटकें और कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशासन जनहित और गोसेवा की भावना को ध्यान में रखते हुए इस मामले में शीघ्र आवश्यक कदम उठाएगा।

पीसीपीएनडीटी एक्ट पर सख्त हुए डीएम, सभी अल्ट्रासाउंड सेंटरों की जांच के दिए निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को पीसीपीएनडीटी एक्ट, 1994 के तहत गठित जिला स्तरीय सलाहकार समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, अल्ट्रासाउंड केंद्रों की निगरानी तथा लिंग चयन जैसी अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज बिश्नोई ने पीसीपीएनडीटी एक्ट के प्रावधानों, जिला स्तरीय सलाहकार समिति की भूमिका तथा उसके कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनपद में वर्तमान में 60 पंजीकृत अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालित हैं। अधिनियम के उल्लंघन के 19 मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है, जिनमें 12 केंद्रों के पंजीकरण निरस्त किए गए हैं। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद की तीनों तहसीलों में संचालित सभी पंजीकृत एवं अपंजीकृत अल्ट्रासाउंड सेंटरों का सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि जांच की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर अगली बैठक में प्रस्तुत की जाए, ताकि पीसीपीएनडीटी एक्ट का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित हो और लिंग चयन जैसी अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज बिश्नोई, समाजसेवी ममता राजपूत, संगीता भार्गव सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमरोहा में 31 जुलाई को अप्रेन्टिसशिप मेला का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में 31 जुलाई 2026, शुक्रवार को पूर्वाह्न 10 बजे अप्रेन्टिसशिप मेला आयोजित किया जाएगा। इस मेले में जनपद एवं बाहर की प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेकर विभिन्न व्यवसायों में आईटीआई, हाईस्कूल, स्नातक, डिग्री और डिप्लोमा उत्तीर्ण युवाओं का अप्रेंटिसशिप के लिए चयन करेंगी। संस्थान के प्रधानाचार्य राहुल कृष्ण शर्मा ने बताया कि यह मेला युवाओं को रोजगार के स्वर्णिम अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। मेले में फिटर, विद्युतकार, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, मैकेनिक मोटर व्हीकल, कोपा, सीएचएनएम, वेल्डर, प्लंबर, मशीनिस्ट सहित अन्य कई ट्रेड्स में योग्य अभ्यर्थियों का चयन होगा। प्रधानाचार्य ने बताया कि अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण के दौरान चयनित अभ्यर्थियों को प्रमाणित कंपनियों में काम करने का मौका मिलेगा, साथ ही स्टाइपेंड भी दिया जाएगा। इससे युवाओं को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होने के साथ ही भविष्य में बेहतर नौकरी के अवसर भी उपलब्ध होंगे। उन्होंने सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे मूल प्रमाण-पत्रों सहित 31 जुलाई 2026 को सुबह 10 बजे राजकीय आईटीआई, ग्राम केशोपुर, कैलसा रोड, अमरोहा पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाएं। मेले में पंजीकरण निःशुल्क होगा। यह मेला स्थानीय युवाओं को औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ने और बेरोजगारी घटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत सीओ नजीबाबाद ने मोटा महादेव मंदिर व कांवड़ ड्यूटी का किया निरीक्षण

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- सावन माह की कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए बिजनौर पुलिस पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी (सीओ) नजीबाबाद आकाशा गौतम ने बुधवार को थाना मंडावली क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध मोटा महादेव मंदिर एवं कांवड़ मार्ग का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी मंडावली वीरेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। सीओ ने कांवड़ मार्ग पर तैनात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी, यातायात व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा संबंधी तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल प्रभाव से कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इस दौरान सीओ आकाशा गौतम ने मोटा महादेव मंदिर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और शिवभक्त कांवड़ियों से संवाद कर उनकी सुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। उन्होंने श्रद्धालुओं से शांतिपूर्ण एवं अनुशासित ढंग से यात्रा करने की अपील की। बिजनौर पुलिस द्वारा कांवड़ यात्रा को लेकर लगातार निगरानी रखी जा रही है, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम यात्रा का वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

बिजनौर में सोशल मीडिया पोस्ट पर सियासत गरम, मुख्यमंत्री और डीएम को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पूर्व में ट्विटर) पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जिलाधिकारी जसजीत कौर को लेकर की गई कथित आपत्तिजनक पोस्ट के बाद राजनीतिक माहौल गर्मा गया है। वायरल हो रही पोस्ट को लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। बताया जा रहा है कि धामपुर निवासी और स्वयं को समाजवादी पार्टी (शिवपाल गुट) का कार्यकर्ता बताने वाले ठाकुर आदर्श चौहान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से मुख्यमंत्री एवं डीएम बिजनौर को टैग

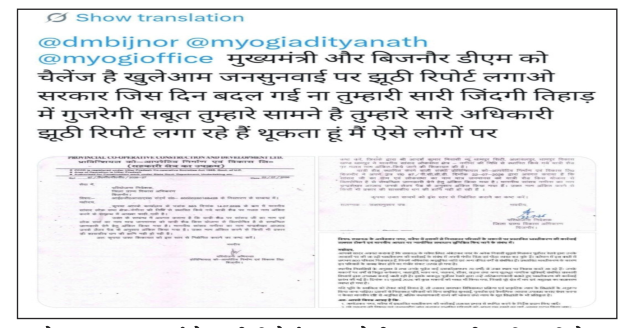
Show translation
@dmbijnor @myogiadityanath @myogioffice मुख्यमंत्री और बिजनौर डीएम को चैलेंज है खुलेआम जनसुनवाई पर झूठी रिपोर्ट लगाओ सरकार जिस दिन बदल गई ना तुम्हारी सारी जिंदगी तिहाड़ में गुजरेगी सबूत तुम्हारे सामने है तुम्हारे सारे अधिकारी झूठी रिपोर्ट लगा रहे हैं थूकता हूं मैं ऐसे लोगों पर

करते हुए जनसुनवाई में झूठी रिपोर्ट लगाए जाने का आरोप लगाया। पोस्ट में उन्होंने कथित तौर पर लिखा कि "जिस दिन सरकार बदल गई ना, तुम्हारी सारी जिंदगी तिहाड़ में गुजरेगी"। साथ ही अधिकारियों पर झूठी रिपोर्ट लगाने का आरोप लगाते हुए आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग भी किया गया। वायरल पोस्ट में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जिलाधिकारी जसजीत कौर के प्रति अभद्र टिप्पणी किए जाने का भी आरोप लगाया जा रहा है। पोस्ट के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहे हैं, जिसके बाद मामले को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। हालांकि, संबंधित पोस्ट की सत्यता तथा उसके संबंध में किसी प्रकार की आधिकारिक कार्रवाई की पुष्टि समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी है। यदि प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई या आधिकारिक बयान जारी किया जाता है तो उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

धामपुर में विवादित दुकान को लेकर देर रात हंगामा, प्रशासन के आश्वासन पर समाप्त हुआ व्यापारियों का प्रदर्शन

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर के सुभाष चौक स्थित एक विवादित दुकान को लेकर चल रहा विवाद मंगलवार देर रात नया मोड़ ले गया। दुकान को खुलवाने की मांग को लेकर अमित गुप्ता के नेतृत्व में दर्जनों व्यापारी धामपुर कोतवाली पहुंचे और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हुए प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। व्यापारियों का कहना था कि लंबे समय से दुकान बंद रहने के कारण संबंधित व्यापारी को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने

प्रशासन से जल्द समाधान निकालते हुए दुकान खुलवाने की मांग की। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी (सीओ) अंजनी कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ करीब एक घंटे तक विस्तृत वार्ता की। इस दौरान व्यापारियों ने अपनी मांगें और समस्याएं विस्तार से रखीं, जबकि पुलिस प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए निष्पक्ष समाधान का भरोसा दिलाया। करीब एक घंटे चली वार्ता के बाद सीओ ने दुकान खोलने पर सहमति जताई। प्रशासन के इस आश्वासन के बाद व्यापारियों ने अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया और शांतिपूर्वक वापस लौट गए।हालांकि, विवाद अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में प्रशासन दोनों पक्षों के बीच किस प्रकार स्थायी समाधान निकालता है।

कार चढ़ाकर हत्या के प्रयास और धारदार हथियार से हमले का आरोप, पीड़ित ने सीओ से लगाई न्याय की गुहार

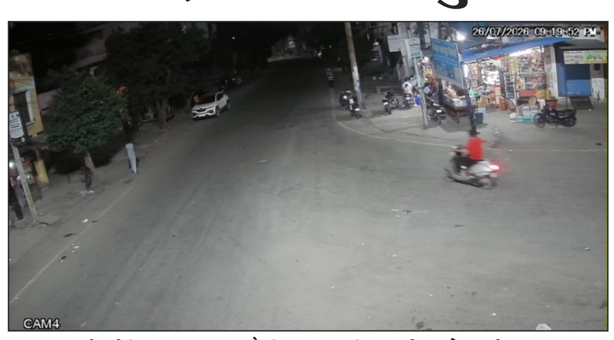

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर क्षेत्र में एक युवक ने कार चढ़ाकर जान से मारने का प्रयास करने और धारदार हथियार से हमला किए जाने का गंभीर आरोप लगाते हुए क्षेत्राधिकारी (सीओ) धामपुर को प्रार्थना पत्र सौंपकर आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुरादाबाद जनपद के थाना मुरादाबाद क्षेत्र के नगला गांव निवासी पंकज कुमार पुत्र विजय सिंह ने सीओ धामपुर को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि वह 26 जुलाई 2026 को धामपुर आया हुआ था। आरोप है कि इसी दौरान भगवानपुर निवासी मनोज कुमार (कथित रूप से ओमप्रकाश का भाई) ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर पहले उस पर कार चढ़ाकर जान से मारने का प्रयास किया। पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने उसे घेर लिया, गाली-गलौज की और धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसके सीने पर गंभीर चोटें आईं। किसी तरह वह अपनी जान बचाकर आरएसएम डिग्री कॉलेज के पास स्थित एक मेडिकल स्टोर में पहुंचा, जहां मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर उसकी जान बचाई। पीड़ित का कहना है कि यदि समय रहते लोग मौके पर नहीं पहुंचते तो कोई बड़ी अनहोनी हो सकती थी। शिकायत में यह भी कहा गया है कि पूरी घटना आरएसएम चौराहे के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है, जिसकी जांच कर वास्तविकता सामने लाई जा सकती है। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के बाद जब वह थाना धामपुर में तहरीर देने पहुंचा तो आरोपियों ने उस पर दबाव बनाकर जबरन समझौता करा दिया। जब उसने समझौते से इनकार किया तो उसे दोबारा जान से मारने की धमकियां दी जाने लगीं।

पीड़ित ने क्षेत्राधिकारी धामपुर से मांग की है कि मनोज कुमार एवं उसके अन्य साथियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए तथा उसे और उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए। फिलहाल मामले में पुलिस का आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस जांच के बाद ही मामले के तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी।

बीटीएफ बैठक में स्वास्थ्य योजनाओं की हुई समीक्षा

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर जांच शिविर और जागरूकता गोष्ठी

बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। खंड विकास अधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित मासिक ब्लॉक स्तरीय टास्क फोर्स (बीटीएफ) बैठक में राष्ट्रीय नियमित टीकाकरण, टीडी एवं डीपीटी बूस्टर टीकाकरण, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस तथा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा की गई। बीडीओ ने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। बैठक में सीएचसी अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने सभी विभागों से स्वास्थ्य अभियानों को शत-प्रतिशत सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ समय पर पहुंचाना सभी विभागों की साझा जिम्मेदारी है। इसी क्रम में विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर सीएचसी में जागरूकता गोष्ठी, हेपेटाइटिस-बी, हेपेटाइटिस-सी एवं एचआईवी की निःशुल्क जांच शिविर तथा हेपेटाइटिस-बी टीकाकरण का आयोजन किया गया। डॉ. स्नेही ने कहा कि समय पर जांच, टीकाकरण और जागरूकता के माध्यम से हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। वहीं 3 से 7 अगस्त तक क्षेत्र के सरकारी एवं निजी विद्यालयों में चलने वाले टीडी (टेटनस-डिप्थीरिया) एवं डीपीटी बूस्टर टीकाकरण अभियान को लेकर माइक्रो प्लान रिव्यू बैठक भी आयोजित हुई। डॉ. स्नेही ने बताया कि अभियान के तहत 5, 10 और 16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा।

उन्होंने अभिभावकों से निर्धारित तिथियों पर बच्चों को विद्यालय भेजने और अभियान में सहयोग करने की अपील की। बैठकों में स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल विकास एवं पंचायती राज विभाग के अधिकारियों सहित डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ और अन्य संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न, लंबित प्रकरणों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु की बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। बैठक में सर्वप्रथम निवेश मित्र पोर्टल के अंतर्गत समय सीमा के उपरांत लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का निर्धारित समय सीमा में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। कॉटन वेस्ट इंडस्ट्री द्वारा पानी एवं ग्राउंड वॉटर प्रदूषित किए जाने के संबंध में गठित समिति को एक सप्ताह के भीतर शेष इकाइयों की संयुक्त जांच कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त उद्योग ने अवगत कराया कि 25 सितंबर से 29 सितंबर 2026 तक इंडियन एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय मेले में जनपद के अधिक से अधिक निर्यातक एवं उद्यमी प्रतिभाग करें। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना हेतु 5 एकड़ तथा सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन की स्थापना हेतु 50 एकड़ भूमि चिन्हित किए जाने के संबंध में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) से संपर्क करने के निर्देश उपायुक्त उद्योग को दिए गए। बैठक में प्राप्त नवीन प्रकरणों पर संबंधित विभागों को नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। नगर पालिका परिषद अमरोहा के अधिशासी अधिकारी एवं मंडी समिति अमरोहा के सचिव के बैठक में अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश भी दिए गए। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि एक जनपद एक व्यंजन (ओडीओसी) वित्त पोषण से आच्छादित खाद्य कारोबारकताओं को जागरूक एवं प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से सहायक आयुक्त (खाद्य) अमरोहा के संयोजन में 24 जुलाई 2026 को होटल कुन्दन, गजरौला में कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें उद्यमियों से योजना का लाभ उठाने का अनुरोध किया गया। बैठक में मिनी औद्योगिक आस्थान, जोया के उच्चीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के अंतर्गत ₹101.88 लाख के प्रस्ताव को उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड, कानपुर से संशोधित कराते हुए प्रेषित किए जाने पर चर्चा की गई। जनपद में प्लेज पार्क योजनांतर्गत विकसित किए जा रहे मैसर्स आरना इंडस्ट्रीयल प्लेज पार्क के निदेशक द्वारा विद्युत विभाग का बकाया होने के कारण कार्य में आ रही कठिनाइयों से अवगत कराया गया, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने विद्युत विभाग को उद्यमी से समन्वय स्थापित कर अग्रिम कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही यूपीसीडा औद्योगिक क्षेत्र, गजरौला में औद्योगिक इकाइयों एवं उद्यमियों की सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस विभाग को 112 नंबर की गाड़ी की अधिक से अधिक पेट्रोलिंग कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में एलडीएम उमेश प्रजापति, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड गिरिश आर्य, जेई यूपीसीडा अवनीश शुक्ला, सहायक निदेशक विद्युत सुरक्षा राजेश पाण्डेय, अधिशासी अभियंता विद्युत गजरौला नीरज यादव, अधिशासी अभियंता हाइडिल धीरेन्द्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा जनपद के प्रमुख औद्योगिक संगठन एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

शतरंज प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाई बौद्धिक प्रतिभा

सीडीओ रणविजय सिंह ने विजेताओं का बढ़ाया उत्साह

बिजनौर (सब का सपना):- स्थानीय खेल स्टेडियम में आयोजित बिजनौर डिस्ट्रिक्ट ओपन रैपिड चेस टूर्नामेंट-2026 का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नन्हें एवं युवा शतरंज खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी बौद्धिक क्षमता और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शतरंज ऐसा खेल है जो मानसिक विकास, तार्किक सोच और एकाग्रता को बढ़ावा देता है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बिजनौर में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित मंच और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की है। प्रतियोगिता में प्रतीक (राम बजरंग) ने प्रथम, जयंत (राम बजरंग) ने द्वितीय, लावण्या अग्रवाल ने तृतीय, सुंदरम गजराज ने चतुर्थ तथा जयंत भारती ने पंचम स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में प्रज्ञा त्यागी प्रथम, गौरी त्यागी द्वितीय और इशिका अग्रवाल तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं सुरेंद्र अरोड़ा को बेस्ट वेटरन तथा आर्यब पंवार को बेस्ट यंगेस्ट प्लेयर का विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी आकाश मलिक, कनिष्ठ सहायक हिमांशु सहित विभिन्न खेलों के प्रशिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अरविंद अहलावत ने किया। अंत में जिला क्रीड़ा अधिकारी ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों, अभिभावकों और खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया।

संत गुरु रविदास के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा का समरसता संकल्प अभियान शुरू

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी ने संत शिरोमणि संत गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में जनपद की सातों विधानसभाओं में 'संत गुरु रविदास जी महाराज समरसता संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया। अभियान के तहत मंदिरों, गुरुद्वारों, आश्रमों एवं पूजा स्थलों पर संतों, पुजारियों और ग्रंथियों का अंगवस्त्र, पुष्पमाला, मिष्ठान एवं नारियल भेंट कर सम्मान किया गया तथा दीप प्रज्ज्वलित कर सामाजिक समरसता और मानव सेवा का संकल्प लिया गया। सदर विधायक प्रदीप चौधरी ने कहा कि गुरु रविदास जी का जीवन

समानता, समरसता और मानव सेवा का प्रेरणास्त्रोत है। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने बताया कि यह अभियान 20 फरवरी 2027 तक देशभर में चलेगा और समाज के प्रत्येक वर्ग को एकता एवं सामाजिक सद्भाव के सूत्र में जोड़ने का कार्य करेगा। इस अवसर पर पार्टी के जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर कालागढ़ रेंज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिजनौर (सब का सपना):- अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर कालागढ़ वन क्षेत्र रेंज द्वारा बाघ संरक्षण एवं वन्यजीव संवर्धन को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वन क्षेत्राधिकारी नंदकिशोर रूवाली अपनी टीम के साथ सरस्वती शिशु मंदिर एवं विद्या मंदिर विद्यालय पहुंचे और छात्र-छात्राओं को बाघों के संरक्षण, वन्यजीवों के महत्व तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। वन क्षेत्राधिकारी

नंदकिशोर रूवाली ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बाघ केवल भारत की शान ही नहीं, बल्कि वन पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सभी से वनों की सुरक्षा, वन्यजीव संरक्षण तथा पर्यावरण बचाने में अपने-अपने स्तर पर सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बाघों के संरक्षण, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने और अधिक से अधिक लोगों को इसके लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया। गौरतलब है कि देशभर में 29 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को बाघ संरक्षण और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील बनने के लिए प्रेरित किया जाता है।

गुरुपूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने गुरुओं का पूजन कर लिया आशीर्वाद

बुलंदशहर/जहांगीराबाद (सब का सपना):- जहांगीराबाद नगर के प्राचीन श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर, गांधी चौक में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने अपने गुरुओं का तिलक कर पूजा-अर्चना की तथा दक्षिणा व उपहार भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रसिद्ध भगवताचार्य पं. युवराज नंदन जी महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ युगल सरकार, सद्गुरुदेव एवं भगवान लक्ष्मी नारायण का विधि-विधान से पूजन किया तथा सभी श्रद्धालुओं और नगरवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान सतीश आचार्य, रोहित पहाड़ी (अध्यक्ष व्यापार मंडल), मुकेश सिंघल, संजय पाण्डेय, राजू, मीना, नीलम, कलुआ और राजीव शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

लापता छात्रा का सुराग नहीं, डीएम-एसएसपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

बुलन्दशहर (सब का सपना):- थाना नगर कोतवाली क्षेत्र में भूतेश्वर मंदिर के पास नाले में गिरी कक्षा 4 की छात्रा चारु कश्यप का कोई सुराग नहीं लग सका है। छात्रा की तलाश में SDRF, NDRF, स्थानीय गोताखोर, नगर पालिका, फायर विभाग और पुलिस की टीमें लगातार सर्च अभियान चला रही हैं। काली नदी तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुंचे जिलाधिकारी और एसएसपी ने रेस्क्यू अभियान का जायजा लिया तथा मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं, बारिश के दौरान समय से छुट्टी न करने के आरोप में स्कूल प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बताया गया कि बारिश से बचने के लिए छात्रा नाले की पटिया पर खड़ी थी, तभी पैर फिसलने से वह तेज बहाव में नाले में गिर गई। छात्रा भूतेश्वर मंदिर के पास स्थित सुशीला इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा है।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत अमर सिंह महाविद्यालय में संगोष्ठी आयोजित

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- अमर सिंह महाविद्यालय, लखावटी में टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. ओमवीर सिंह ठेनुआं ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि टीबी अब लाइलाज बीमारी नहीं है और समय पर जांच व नियमित उपचार से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। एनसीसी अधिकारी डॉ. रामजी द्विवेदी ने टीबी के लक्षणों, बचाव एवं समय पर जांच कराने के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. मनीष मिश्रा एवं डॉ. पंकज कुमार ने भी विद्यार्थियों को पौष्टिक आहार, स्वच्छता और नियमित दवा सेवन के प्रति जागरूक किया। अंत में छात्र-छात्राओं ने "टीबी हारेगी, भारत जीतेगा" का संकल्प लेते हुए टीबी मुक्त भारत अभियान में सक्रिय सहयोग का प्रण लिया। कार्यक्रम में अभय कुमार श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र मलिक, लोचन अग्रवाल, राहुल भाटी सहित महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

'संसद मार्च' पर बल प्रयोग को लेकर दिल्ली एचसी में हुई सुनवाई, पुलिस बोली-याचिकाकर्ता को दी जाएगी रसीद

नई दिल्ली। 20 जुलाई के विरोध प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग के मामले में पुलिस आयुक्त सहित अन्य के खिलाफ प्राथमिकी की मांग वाली शिकायत की रसीद देने से इंकार करने के खिलाफ दायर याचिका का दिल्ली हाई कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों का बयान रिकॉर्ड करते हुए निपटारा का दिया। दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि याचिकाकर्ता को डेली डायरी (डीडी) नंबर के साथ रसीद दे दी जाएगी। पुलिस ने कहा कि तकनीकी खराबी के कारण याचिकाकर्ता की 23 जुलाई की शिकायत की रसीद नहीं दी जा सकी थी।

युवराज सिंह के खिलाफ गलत और अपमानजनक ऑनलाइन कंटेंट हटाएं', दिल्ली हाई कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा के तहत उनसे जुड़ी अपमानजनक सामग्री को ऑनलाइन इंटरनेट मीडिया से हटाने का दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को आदेश दिया। न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने मामले पर अंतरिम आदेश पारित करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि अदालत इस स्तर पर भविष्य की सामग्री के लिए कोई सामान्य आदेश जारी नहीं करेगी। कोर्ट ने बताया भविष्य के केसों के लिए नहीं है ये आदेश पीठ ने कहा कि भविष्य में अगर ऐसी कोई सामग्री आती है और इसकी शिकायत की जाती है, तो उसे हटाने के लिए उचित आदेश जारी किए जा सकते हैं। अदालत ने उक्त आदेश व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा की मांग वाली युवराज सिंह की याचिका पर दिया।

दिल्लीवालों को नहीं झेलनी पड़ेगी गड्ढों की मार, मानसून में खराब होने वाली सड़कों की मरम्मत के लिए टेंडर जारी

नई दिल्ली। राजधानी में मानसून के दौरान सड़कों और फुटपाथों को होने वाले नुकसान की समय पर मरम्मत सुनिश्चित करने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने तैयारी शुरू कर दी है। विभाग के विभिन्न डिवीजनों ने मरम्मत कार्यों के लिए टेंडर जारी किए हैं। इन कार्यों के तहत वर्षा से क्षतिग्रस्त होने वाली सड़कों, फुटपाथों, सेंट्रल वर्ज तथा सड़क किनारे लगे कर्ब स्टोन (पत्थरों) की मरम्मत और दोबारा स्थापना का कार्य होगा, ताकि यातायात सुरक्षित और सुचारु बना रहे। फुटपाथों की तुरंत होगी मरम्मत दिल्ली में पीडब्ल्यूडी के अधीन करीब 1,400 किलोमीटर सड़क नेटवर्क, लगभग 3,000 किलोमीटर फुटपाथ और 1,000 किलोमीटर से अधिक सेंट्रल वर्ज का रखरखाव किया जाता है। वर्षा के दौरान इन परिसंपत्तियों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचता है। सड़क किनारे उखड़े कर्ब स्टोन, टूटे फुटपाथ और क्षतिग्रस्त सेंट्रल वर्ज को भी प्राथमिकता के आधार पर भी दुरुस्त किया जाएगा। अधिकारियों के कहा कि इसके साथ ही प्रत्येक डिवीजन को अपने क्षेत्र में नियमित निरीक्षण करने और क्षतिग्रस्त स्थानों की पहचान कर तत्काल मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उद्देश्य यह है कि जलभराव, गड्ढों और टूटे फुटपाथों के कारण लोगों को होने वाली परेशानी कम हो तथा सड़क सुरक्षा बनी रहे।

डीआईजी व कमिश्नर ने किया पुलिस बल के साथ महादेव मन्दिर का निरीक्षण

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- कांवड यात्रा को लेकर शासन प्रशासन अलर्ट है। मंगलवार को भारी बरसात के चलते भी मेरठ मंडलायुक्त भानु चंद्र गोस्वामी व डीआईजी कलानिधि नैथानी ने डीएम कुमार हर्ष और एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने अन्य अधिकारियों के साथ नहर पटरी मार्ग से अंबकेश्वर महादेव मन्दिर पहुचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सबसे पहले भगवान शिव का जलाभिषेक एंव विधि-विधान से पूजा अर्चना की।इसके बाद मन्दिर परिसर में साफ सफाई पेयजल व्यवस्था,शिव भक्तो के विश्राम स्थल, चिकित्सा आदि का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। बरसात के मौसम को देखते हुए मार्गों को सुगम बनाने पर भी जोर दिया। मंडलायुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि आने वाले कांवड़ियों व डाक कांवड़ियों के लिए अलग-अलग ठहरने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय।शरारती तत्वों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने प्रकाश व्यवस्था चिकित्सा शौचालय साफ सफाई दुरूस्त करने को भी कहा। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि कांवड यात्रा के दौरान किसी भी कांवड़िए को असुविधा नहीं होनी चाहिए।साथ में मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुनील दोहरे उर्जा निगम के मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता, जिला वन अधिकारी,एसपी देहात अंतरिक्ष जैन एसडीएम अनूपशहर,सीओ अनूपशहर मौजूद रहें।

सावन की बुद्धपूर्णिमा पर हजारो श्रृद्धालुओं ने लगाई गंगा में डुबकी

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- बुधवार को सावन की पूर्णिमा पर भगवानपुर गंगा घाट पर हजारों महिला पुरूषों ने डुबकी लगा पुन्य कमाया। गंगा स्नान के बाद महिलाओं ने विधि विधान से कथा पाठ भी कराया।कहते हैं कि गंगा स्नान के बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने व कथा सुनकर पुन्य मिलता है।सुरक्षा के मद्देनजर एक भी सुरक्षा कर्मी दिखाई नहीं दिया। भगवानपुर के सभी गोताखोर गंगा किनारे मौजूद रहे।

अंतुल तेवतिया साठा पहुंची लापता मासूम के परिजनों से मिलने

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिला पंचायत अध्यक्ष अतुल तेवतिया ने साठा क्षेत्र पहुंचकर जलभराव में लापता हुई मासूम बच्ची के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए बच्ची की सकुशल बरामदगी की कामना की। साथ ही समाज के सभी लोगों से इस कठिन समय में परिवार का मनोबल बढ़ाने और बच्ची के सुरक्षित मिलने के लिए प्रार्थना करने की अपील की।

अवंतिका देवी में गुरुजी का आशीर्वाद लेकर गायत्री माता मंदिर में पुजारी को भेंट की अंगवस्त्र व दक्षिणा

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर क्षेत्रीय विधायक संजय शर्मा ने गायत्री नगर स्थित गायत्री माता मंदिर पहुँचकर मंदिर के पुजारी का अंगवस्त्र भेंट कर एवं दक्षिणा देकर सम्मान किया। उपरांत, विधायक ने आहार क्षेत्र स्थित मां अवंतिका धाम पहुंचकर महानंद महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने गुरु परंपरा को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए गुरुजनों के प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट किया,विधायक संजय शर्मा ने कहा कि "गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन को सही दिशा और संस्कार भी प्रदान करते हैं। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान भगवान से भी ऊँचा माना गया है। गुरु पूर्णिमा हमें अपने गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। समाज के निर्माण में गुरुजनों की भूमिका सदैव सर्वोपरि रही है,वहीं नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष किशनपाल सिंह लोधी ने भी गुरु पूर्णिमा के अवसर पर नगर के विभिन्न मंदिरों में पहुँचकर पुजारियों का अंगवस्त्र एवं दक्षिणा भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने सभी से गुरुजनों के आदर्शों का अनुसरण करने और समाज में सद्भाव, सेवा तथा संस्कारों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया। उधर, व्यापारी नेता रोहित पहाड़ी ने अपने गुरु युवराज नन्दन महाराज के चरण वंदना कर गुरु पूर्णिमा के खास मौके पर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमो में पूर्व पालिकाध्यक्ष सूरजभान माहुर, रिंकू राणा, विष्णु बाबा,रामगोपाल बंसल, मनीष लोधी, केपी सैनी आदि लोग मौजूद रहें।

नशे पर लगाम, देश को सलाम अभियान का बड़ा असर, द्वारका पुलिस ने सीक्रेट चेंबर से पकड़ी अवैध शराब की बड़ी खेप

नई दिल्ली,। द्वारका जिला पुलिस ने "नशे पर लगाम, देश को सलाम" अभियान के तहत अवैध शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 3,250 क्वार्टर और 180 बोतल अवैध देसी व अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। शराब की खेप एक टाटा ऐस टेंपो के अंदर बनाए गए सीक्रेट चेंबर में छिपाकर लाई जा रही थी। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे वाहन को भी जब्त कर लिया। डीसीपी द्वारका आईपीएस कुशल पाल सिंह के निर्देश पर जिले में नशे और अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एसीपी ऑपरेशन सुभाष मलिक की निगरानी तथा एंटी नारकोटिक्स सेल के प्रभारी इंस्पेक्टर कमलेश कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर यूईआर-2 सर्विस रोड, साईं मंदिर, नजफगढ़ के पास जाल बिछाया। पुलिस ने संदिग्ध टाटा ऐस टेंपो को रोककर तलाशी ली तो उसके अंदर बनाए गए गुप्त चेंबर से 80 पेटियों में छिपाकर रखी गई 3,250 क्वार्टर और 180 बोतल अवैध शराब बरामद हुई। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी ने पुलिस को चकमा देने के लिए वाहन पर फर्जी नंबर प्लेट लगा रखी थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नरेश (29), निवासी जेजे कॉलोनी, सेक्टर-24, रोहिणी के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि वह हरियाणा के बहादुरगढ़ से शराब लाकर द्वारका जिले के उत्तम नगर क्षेत्र में सप्लाई करने जा रहा था।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर संख्या 338/26 के तहत दिल्ली आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। द्वारका पुलिस अब इस अवैध शराब तस्करी के पूरे नेटवर्क और इसके मुख्य सप्लायर तक पहुंचने के लिए जांच तेज कर चुकी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में नशे और अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

कांवड़ियों को बड़ी राहतः पुरानी दिल्ली से अब सीधे हरिद्वार जाएगी लोकल ट्रेन, देखें रूट-टाइमिंग और स्टॉपेज

नई दिल्ली। कांवड़ मेला में हरिद्वार जाने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी न हो, इसे ध्यान में रखकर रेलवे प्रशासन ने पुरानी दिल्ली शामली के बीच चलने वाली 64033/64034 नंबर की एमईएमयू का विस्तार हरिद्वार तक करने का निर्णय लिया है। इससे दिल्ली एनसीआर के यात्रियों के साथ ही शामली से आगे के स्टेशनों से यात्रा करने वालों को भी सुविधा मिलेगी। क्या रहेगी टाइमिंग? 64033 नंबर की ट्रेन 29 जुलाई से 13 अगस्त तक हरिद्वार तक चलेगी। यह अपने समय के अनुसार शाम 4.25 बजे पुरानी दिल्ली से चलकर शाम सात बजे शामली पहुंचेगी। शामली से शाम 7.05 बजे चलेगी और रात 11 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। वापसी में 64034 नंबर की ट्रेन 30 जुलाई से 14 अगस्त तक हरिद्वार से सुबह चार बजे रवाना होकर सुबह 6.55 बजे शामली पहुंचेगी। शामली से सुबह सात बजे चलकर पूर्वाह्न 10.10 बजे पुरानी दिल्ली पहुंचेगी। कहां-कहां होगा ठहराव? शामली से हरिद्वार के बीच इस ट्रेन का ठहराव सिलावर, हिंद, उस्मानपुर देहात हाल्ट, हरहर फतेहपुर, थाना भवन टाउन, थाना भवन, ननौता, सोना अर्जुनपुर, रामपुरमानी हरन, भनकाला हाल्ट, जंधेरा हाल्ट, मनानी, तपरी, रुड़की व ज्वालापुर में होगा।

भारी रिकॉर्ड के कारण सीबीआई चार्जशीट दाखिल करने में देरी, कोर्ट ने दिया 3 दिन का समय

नई दिल्ली। पेपर लीक मामलों को लेकर राउज एवेन्यू स्थित जिला अदालत में गठित स्पेशल फास्ट-ट्रैक कोर्ट ने सीबीआई की ओर से दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के बिंदू पर तीन अगस्त की तारीख तय की है। कोर्ट ने सीबीआई को आरोपपत्र के साथ सभी दस्तावेज जमा करने के लिए तीन दिन और दिए, क्योंकि रिकॉर्ड बहुत ज्यादा है। कोर्ट ने बताया कि आरोपपत्र के साथ कोई बयान या दस्तावेज की सूची जमा नहीं की गई है। सीबीआई ने कहा कि रिकॉर्ड बहुत ज्यादा है और उन्हें स्कैन किया जा रहा है। मंगलवार को 13 आरोपितों के खिलाफ दाखिल हुआ था आरोपपत्र नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई ने मंगलवार को विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट में 13 आरोपितों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के लिए गठित विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट में इस पर बुधवार को संज्ञान लिया जाना था। सीबीआई ने मामले में आगे की जांच खुली रखी है और एनटीए अधिकारियों की भूमिका की भी जांच जारी है। सीबीआई की आर्थिक अपराध शाखा ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और सार्वजनिक परीक्षाएं (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 की विभिन्न धाराओं के तहत आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोपपत्र में यश यादव, मंगीलाल बीवाल, दिनेश बीवाल, विकास बीवाल, शुभम खैरनार, धनंजय लोखंडे, प्रह्लाद कुलकर्णी, तेजस हर्षद कुमार, डॉ. मनोज शिरुरे, शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर, मनीषा वाघमारे, मनीषा मंडहरे और मनीषा संजय हवलदार को आरोपित बनाया गया है। सभी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई के अनुसार, मंगीलाल बीवाल ने अपने बेटे विकास के लिए नीट का प्रश्नपत्र हासिल करने के उद्देश्य से शुभम खैरनार से संपर्क किया था। जांच के दौरान मंगीलाल के मोबाइल फोन से लीक हुआ प्रश्नपत्र बरामद किया गया। एजेंसी का दावा है कि मंगीलाल ने यश यादव से 10 लाख रुपये में प्रश्नपत्र प्राप्त किया था। पूछताछ में विकास ने बताया कि उसकी मुलाकात यश से राजस्थान के सीकर में कोचिंग के दौरान हुई थी। इस मामले में 12 मई को एक सरकारी अधिकारी की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। सोमवार को टल गई थी पहली सुनवाई नीट पेपर लीक मामले में दोषियों को जल्द से जल्द सजा सुनाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट की ओर से गठित की गई फास्ट-ट्रैक कोर्ट में सोमवार को पहली सुनवाई होनी थी, लेकिन सीबीआई की तरफ से अधिवक्ता के न पेश होने के कारण सुनवाई टल गई।

भीड़ वही पर काबू पाने का तरीका अलग, हिंसक प्रदर्शन रोकने में भारत और पश्चिमी देशों की रणनीति में कितना फर्क?

नई दिल्ली। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध-प्रदर्शन सामान्य बात है, लेकिन जब यही प्रदर्शन हिंसक हो जाते हैं तो कानून-व्यवस्था बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे हालात से निपटने के लिए भारत और पश्चिमी देशों ने अपने-अपने हालात के मुताबिक अलग-अलग मॉडल विकसित किए हैं। दोनों का लक्ष्य जान-माल का नुकसान रोकना और हालात पर जल्द काबू पाना है, लेकिन भीड़ को नियंत्रित करने के तरीके, इस्तेमाल होने वाले उपकरण और बल प्रयोग की रणनीति में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। भारत का मॉडलः भीड़ को पीछे धकेलने पर जोर भारत में दंगा नियंत्रण की शुरूआत पुलिसकर्मियों की सुरक्षा से होती है। उन्हें हेलमेट, फेस वाइजर, बॉडी प्रोटेक्टर, पॉलीकाबोर्नेट शील्ड और अन्य सुरक्षा उपकरण दिए जाते हैं ताकि पथराव, आगजनी या धारदार हथियारों के हमलों से बचाव हो सके। स्थिति बिगड़ने पर कार्रवाई भी चरणबद्ध तरीके से होती है। पहले सार्वजनिक चेतावनी, फिर वाटर कैनन, आंसू गैस और पेपर आधारित पीएवीए शेल का इस्तेमाल किया जाता है। हाल के वर्षों में लंबी दूरी तक तेज ध्वनि पैदा करने वाले एलआरएडी जैसे आधुनिक उपकरण भी सुरक्षा बलों के पास उपलब्ध हैं। यदि इसके बाद भी भीड़ हिंसक बनी रहती है तो एंटी-रायट गन जैसे अंतिम विकल्पों का इस्तेमाल किया जाता है।

मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं महामहिम राष्ट्रपति के नाम एसडीम स्याना को, VSHP ने सौंपा ज्ञापन

स्याना /बुलंदशहर (सब का सपना):- विश्व सनातन हिन्दू फाउंडेशन (VSHF) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेश चौहान के नेतृत्व में आज उपजिलाधिकारी, स्याना के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश एवं महामहिम राष्ट्रपति, भारत गणराज्य के नाम एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा, ज्ञापन में संविधान की मूल भावना, सामाजिक समरसता, शिक्षा व्यवस्था में सुधार, समान अवसर तथा राष्ट्रहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की गई,इस अवसर पर ज्ञानेश चौहान ने कहा कि "यदि देश में संविधान की मूल भावना, समान अवसर और सामाजिक समरसता पर निरंतर प्रश्नचिह्न खड़े होते रहेंगे, तो यह किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह कानून का निष्पक्ष पालन सुनिश्चित करे और किसी भी प्रकार की जातीय घृणा, सामाजिक वैमनस्य अथवा राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के प्रति कठोर एवं समान कार्रवाई करे,उन्होंने कहा कि देश का कानून सभी नागरिकों के लिए समान है और कानून के समक्ष किसी भी व्यक्ति, संगठन या समूह को विशेष संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। यदि हाल के घटनाक्रमों में किसी भी स्तर पर घृणा फैलाने, समाज को बांटने, कानून-व्यवस्था बिगाड़ने या राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के संकेत मिले हैं, तो उनकी निष्पक्ष, उच्चस्तरीय एवं समयबद्ध जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जानी चाहिए,ज्ञापन में वर्तमान आरक्षण व्यवस्था की व्यापक समीक्षा हेतु उच्चस्तरीय आयोग के गठन, आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर परिवारों के लिए प्रभावी अवसर सुनिश्चित करने, शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारोन्मुख बनाने तथा सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने के लिए ठोस एवं दीर्घकालिक नीति लागू करने की मांग की गई,ज्ञानेश चौहान ने कहा कि सरकार को इस ज्ञापन को केवल एक औपचारिक पत्र न मानकर देश के लाखों नागरिकों की संवैधानिक अपेक्षाओं की अभिव्यक्ति के रूप में देखना चाहिए। यदि जनहित एवं राष्ट्रहित से जुड़े इन गंभीर विषयों पर समय रहते ठोस निर्णय नहीं लिए गए, तो संगठन लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक दायरे में रहकर जनजागरण अभियान चलाने के लिए बाध्य होगा, ।उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्व सनातन हिन्दू फाउंडेशन का उद्देश्य किसी जाति, धर्म या समुदाय का विरोध करना नहीं, बल्कि संविधान की गरिमा, समान अधिकार, सामाजिक समरसता और राष्ट्रहित की रक्षा करना है। संगठन ने सरकार से अपेक्षा की कि ज्ञापन में उठाए गए प्रत्येक बिंदु पर गंभीरतापूर्वक विचार कर की गई कार्रवाई से संगठन को लिखित रूप में भी अवगत कराया जाए। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नवनीत सिंह, जिला अध्यक्ष गिरीश चौहान, उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार, अनिल लोधी, महेश शर्मा, देविन कुमार, मन्नू चौधरी, कृष्ण कुमार स्याना तहसील अध्यक्ष जितेंद्र कुमार,मूलचंद,ललित कुमार,सुभाष, आशीष चौहान सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्रेन में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज है सबसे बेहतर तरीका

एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने मस्तिष्क के लिए अधिक ऑक्सीजन प्राप्त करने के एकमात्र तरीके पर ध्यान केंद्रित करते हुए अध्ययन किया है, जो रक्त प्रवाह को बढ़ाकर मस्तिष्क को अधिक रक्त प्राप्त करने में मदद करता है। इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने यह देखने में रुचि दिखाई कि ब्रेन ऑक्सीजन का स्तर प्राकृतिक व्यवहार और विशेष रूप से व्यायाम से कैसे प्रभावित होता है।

इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने सभी स्तनधारियों पर लागू एक सच्चाई का खुलासा किया है, जिसमें कहा गया है कि व्यायाम करने पर रक्त चूहे के दिमाग में अधिक ऑक्सीजन ला सकता है क्योंकि जब वे व्यायाम करते हैं, तो बढ़ी हुई श्वसन हीमोग्लोबिन में अधिक ऑक्सीजन पैक होता है।

पैट्रिक जे. ड्रयू न्यूरल इंजीनियरिंग और न्यूरोसर्जरी के हूक प्रतिष्ठित एसोसिएट प्रोफेसर और पेन स्टेट न्यूरोसाइंस इंस्टीट्यूट के एसोसिएट डायरेक्टर, के अनुसार, मानक विचार यह था कि स्तनधारी रक्त हमेशा पूरी तरह से ऑक्सीजन से संतृप्त होता है। शोधकर्ताओं ने जर्नल ऑफ नेचर कम्युनिकेशंस में अध्ययन की सूचना दी।

ड्रयू ने कहा कि हम जानते हैं कि लोग संज्ञानात्मक कार्यों को करते समय श्वास पैटर्न बदलते हैं। वास्तव में, श्वसन चरण हाथ में काम को बंद कर देता है और मस्तिष्क में, तंत्रिका गतिविधि में वृद्धि आमतौर पर रक्त प्रवाह में वृद्धि के साथ होती है। हालांकि, वास्तव में शरीर में जो हो रहा है वह अज्ञात था, इसलिए शोधकर्ताओं ने चूहों का इस्तेमाल किया, जो ट्रेडमिल पर चलना या दौड़ना चुन सकते थे और उनकी श्वसन, तंत्रिका गतिविधि, रक्त प्रवाह और मस्तिष्क ऑक्सीकरण पर नजर रखी। इंजीनियरिंग साइंस और मकैनिक्स में पोस्टडॉक्टरल फेलो, किंग गुआंग झांग ने कहा, हमने अनुमान लगाया कि मस्तिष्क ऑक्सीकरण तंत्रिका गतिविधि और रक्त प्रवाह पर निर्भर करेगा। हमें उम्मीद थी कि अगर रक्त का प्रवाह कम हो जाता है, तो मस्तिष्क के आगे के हिस्से में ऑक्सीजन आ जाएगा। हमने सोचा था कि ऐसा होगा, लेकिन तब हमें एहसास हुआ कि यह श्वसन था जो ऑक्सीजन को बनाए रख रहा था। इसलिए यह एकमात्र तरीका यह हो सकता है कि व्यायाम रक्त को अधिक ऑक्सीजन ले जाने का कारण बन रहा है, जिसका अर्थ होगा कि रक्त सामान्य रूप से ऑक्सीजन से पूरी तरह से संतृप्त नहीं था। उन्होंने श्वसन, रक्त प्रवाह और ऑक्सीकरण की निगरानी के लिए कई तरीकों का इस्तेमाल किया। जिसमें कि उन्होंने तंत्रिका गतिविधि और रक्त वाहिका फैलाव को दबाते हुए ऑक्सीजन के स्तर का भी परीक्षण किया। इसमें शोधकर्ताओं के अनुसार, जब तंत्रिका गतिविधि और कार्यात्मक हाइपरमिया (रक्त प्रवाह बढ़ता है) अवरुद्ध हो गया था, तो ऊतक और मस्तिष्क को भोजन देने वाली धमनियों में दोनों अवरुद्ध हो गए थे और श्वसन दर और श्वसन चक्र के चरण के साथ कसकर संबंधित थे। इस आधार पर निष्कर्ष निकलते हैं कि श्वसन सेरेब्रल ऑक्सीजनेशन को संशोधित करने के लिए एक गतिशील मार्ग प्रदान करता है।

सिर्फ मेवा नहीं सेहत का खजाना है बादाम, इसके ये फायदे भी जानें

बादाम सिर्फ एक मेवा नहीं है, बल्कि सेहत का खजाना है। इसके नियमित सेवन से शरीर को ढेरों लाभ मिलते हैं। रोज भीगे हुए बादाम जरूर खाए जाने चाहिए। ना जाने कितनी बार ये सलाह आपके कानों में पड़ी होगी। लेकिन क्या आप इस सलाह को मानते हैं?

अगर आपका जवाब नहीं है तो संभव है कि अब तक आप बादाम में छुपे ढेरों फायदों से रूबरू नहीं हो पाए हैं। यह कई सारी बीमारियों को भी ठीक करने की ताकत छोटे से बादाम में भरपूर मात्रा में होती है। यही वजह है कि दो साल पहले भारत में हुए एक सर्वे में पाया गया कि खुशी के मौके पर 97 प्रतिशत भारतीय बादाम खाना पसंद करते हैं। ऐसा देश के बड़े शहरों में 18 से 35 साल के 3037 लोगों पर किए सर्वे के बाद पाया गया था। आप भी बादाम के नियमित सेवन से अपने और अपने परिवार की सेहत को दुरुस्त कर सकते हैं।

बादाम खाइए, खून नहीं होगा कम : हीमोग्लोबिन की कमी महिलाओं को होने वाली आम परेशानी है। इस परेशानी से अगर आप भी जूझ रही हैं तो हर दिन चार-पांच बादाम खाना शुरू कर दें। दरअसल, बादाम खून बढ़ाने में मदद करता है। लाल रक्त कोशिकाओं के ऑक्सीजन ग्रहण कर पाने की क्षमता को शरीर में मौजूद कुछ पोषक तत्व प्रभावित करते हैं। बादाम खाने से शरीर को ये पोषक तत्व मिलते है, क्योंकि बादाम लाल रक्त कोशिकाओं के ऑक्सीजन ग्रहण करने की क्षमता को बेहतर बनाता है। ऐसा इसमें मौजूद कॉपर और आयरन की वजह से हो पाता है। बादाम को मेवे के रूप में खाने के साथ ही इसे आप आसानी से तरह-तरह के व्यंजनों और पेय पदार्थों का हिस्सा भी बना सकती हैं।

बादाम खाने का सही समय : बादाम खाना तब सबसे अच्छा होता है, जब आपका पेट एकदम खाली हो। इसको तब भी खाया जा सकता है, जब पेट हल्का हो। मतलब शाम को लंच के करीब 3 घंटे बाद। पर ऐसा क्यों होता है, जानना जरूरी है। दरअसल, बादाम तब खाना चाहिए, जब शरीर इसके पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से सोख सके और ऐसा सिर्फ खाली पेट ही संभव है।

प्रदूषक तत्वों से बचाता है बादाम : फ्री रैडिकल्स यानी प्रदूषक तत्व हमारी सेहत के दुश्मन जैसे हैं। ये जितना बढ़ेंगे, उतना ही शरीर में बीमारी फैलने की वजह बनते जाएंगे, जबकि बादाम के छिलके में मौजूद फाइबर, फ्री रैडिकल्स से शरीर की रक्षा करता है। इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो फ्री रैडिकल्स को संतुलित करते हैं और शरीर को बीमारियों से बचाते हैं।

डायबिटीज में फायदेमंद : खाना पेट में जाने के बाद शुगर का स्तर क्या होता है, इसी को नापने का पैमाना होता है ग्लाइसेमिक इंडेक्स। अगर शुगर कम रिलीज हो रही है तो ये इंडेक्स लो होगा, ज्यादा तो हाई। चूंकि बादाम का ग्लाइसेमिक इंडेक्स लो होता है, इसलिए यह डायबिटीज के मरीजों की सेहत पर बुरा असर नहीं डालता। बादाम शरीर में शुगर के स्तर को भी संतुलित रखने में मदद करता है। मोटापे के शिकार लोगों के लिए भी यह सेहतमंद स्नैक्स के तौर पर काम आता है।

चमकती रहेगी त्वचा : बादाम विटामिन-ई से भरपूर होता है। इतना ही नहीं, इसमें मैग्नीज, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे मिनरल्स भी प्रचुर मात्रा में होते हैं।

ये भी हैं फायदे

शरीर में बड़ी आंत का हिस्सा होता है कोलोन। इसी हिस्से के कैंसर को खत्म करने की खूबियां भी बादाम खुद में छुपाए हुए है। बादाम का फाइबर इस कैंसर की रोकथाम में सहायक है। बादाम में जलन और सूजन को कम करने की भी क्षमता होती है। सूजन ज्यादा दिन रहे तो अंगों पर गलत असर डालती है। बादाम इस समस्या में राहत देता है। बादाम में वो फैटी एसिड होता है, जो शरीर से बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। यानी बादाम के नियमित सेवन से दिल को दुरुस्त रखा जा सकता है। इसमें मौजूद मैग्नीज बादाम को एनर्जी बूस्टर भी बनाता है। आंखों के नीचे आने वाली सूजन भी बादाम खाने से कम होती है। गर्भवती महिलाओं के लिए बादाम फायदेमंद होता है। बादाम में फॉलिक एसिड प्रचुर मात्रा में होता है।

स्टफ्ड छोला पराठा

सामग्री

- 2 कप गेहूं का आटा
- 1/2 टीस्पून घी
- नमक- स्वादानुसार
- तेल- आवश्यकतानुसार

स्टफिंग के लिए
- मसाला छोले
- 2 टेबलस्पून बारीक कटा हुआ हरा प्याज
- छोटी चम्मच हींग

विधि

आटे में घी, नमक और 1 चम्मच तेल मिलाकर पानी की सहायता से गूंथ लें। गूंथे हुए आटे को 15-20 मिनट के लिए रख दें। एक बोल में मसाला छोले, हरा प्याज, हींग और अतिरिक्त मसाले डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब परांठे की स्टफिंग तैयार है। आटे की लोइयां तैयार कर उन्हें बेल लें। एक चम्मच स्टफिंग उस पर रखने के बाद चारों तरफ से मोड़ कर बंद कर दें। अब इस छोले भरी लोई को चपटा कर थोड़ा सा बड़ा कर लें। बेले हुए परांठे को तवे पर डालकर दोनों तरफ से तेल लगाकर ब्राउन होने तक खस्ता सेके। स्टफ्ड परांठे को अचार, चटनी, सब्जी, दही व सैलेड के साथ गरमा-गरम सर्व करें।

पत्तागोभी मंचूरियन

सामग्री

■ मैदा- 1/3 कप ■ पत्तागोभी- 3/4 कप (कद्दूकस किया हुआ) ■ गाजर- 3/4 कप (कद्दूकस किया) ■ शिमला मिर्च- 1/2 (कद्दूकस की हुई) हरी मिर्च- 1 (बारीक कटी) ■ काली मिर्च- 1/2 पिंच ■ कॉर्नफ्लोर- 2 टेबलस्पून ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- डीप फ्राई के लिए **ग्रेवी के लिए** ■ तेल- 2 टेबलस्पून ■ अदरक- 2 टीस्पून (कद्दकस किया) ■ लहसुन- 1 टेबलस्पून (बारीक कटा) ■ काली मिर्च- 1 टीस्पून ■ कॉर्नफ्लोर- 2 टेबलस्पून ■ सोया सॉस- 2 टेबलस्पून ■ टोमैटो सॉस- 2 टेबलस्पून ■ चिली सॉस- 1/2 टेबलस्पून ■ नमक- स्वादानुसार ■ विनेगर- 1 टीस्पून ■ प्याज- 2 टेबलस्पून (बारीक कटा) ■ हरा धनिया- 1 टेबलस्पून (बारीक कटा)

विधि

एक मिक्सिंग बाउल में कद्दूकस किया हुआ गाजर, पत्तागोभी, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, तेल, काली मिर्च पाउडर, मैदा, कॉर्नफ्लोर, नमक और बहुत ही थोड़ा सा पानी डालकर इसे अच्छी तरह मिक्स कर लें। इसके बाद इस मिक्सचर से छोटे-छोटे बॉल्स बना लें। पैन में तेल गरम करें और जब तेज गर्म हो जाएं, तब इसमें बॉल्स को डालकर गोल्डेन ब्राउन होने तक डीप फ्राई कर लें और अलग रख दें। ग्रेवी बनाने के लिए एक बाउल में कॉर्नफ्लोर और पानी डालकर पेस्ट बना लें। फिर एक पैन में तेल गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए, तब इसमें अदरक, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज डालकर एक मिनट तक भून लें। इसके बाद इसमें सोया सॉस, चिली सॉस और टोमैटो सॉस डालकर एक मिनट तक भून लें। फिर इसमें 2 कप पानी, काली मिर्च और नमक डालकर एक उबाल आने तक पका लें। इसके बाद इसमें कॉर्नफ्लोर का पेस्ट डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और धीमी आंच पर एक मिनट तक पका लें। फिर इसमें पत्तागोभी के बॉल्स को डालकर 3 मिनट तक पका लें। इसे सर्विंग बाउल में निकालें और ऊपर से बारीक कटे प्याज और हरा धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3963

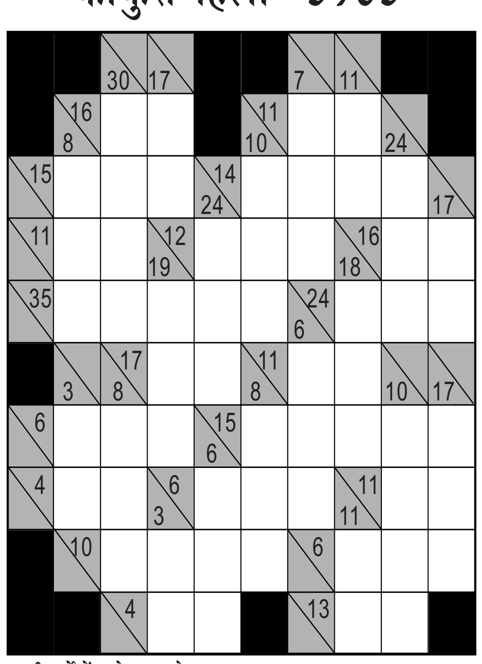

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

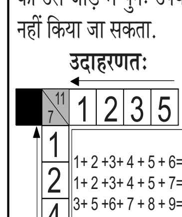

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3962 का हल

लॉफिंग ज़ोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

फिल्म वर्ग पहेली - 3963

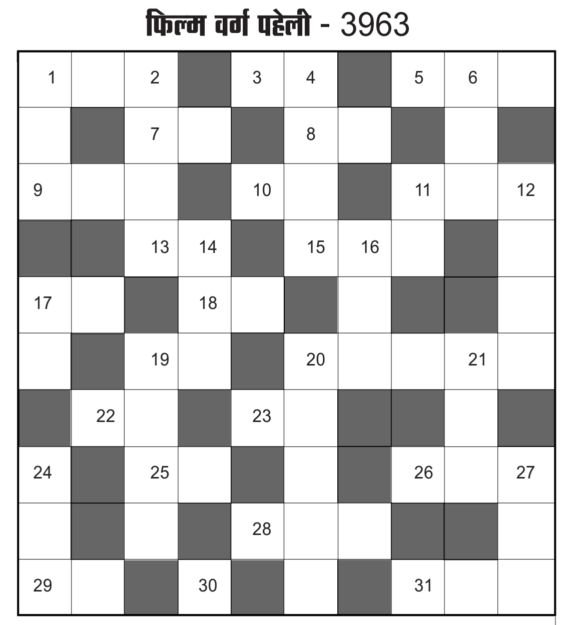

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी ?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं ऑचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरूद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 3962

सूडोकु -3963

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3962 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 3963

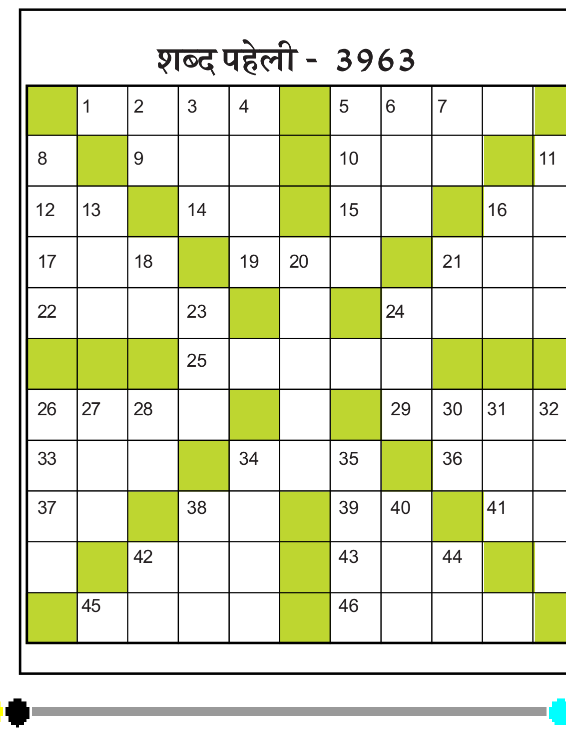

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली -3962 का हल

सिंगिंग में कदम रखना आसान नहीं था, सलमान ने प्रेरित किया और आत्मविश्वास बढ़ाया

रोमानिया की मॉडल, सिंगर और एक्ट्रेस यूलिया वंतूर आज भारतीय मनोरंजन जगत में जाना-पहचाना नाम हैं। हालांकि, भारत में उनकी पहचान अक्सर सलमान खान के साथ जुड़ी खबरों से भी होती रही है, लेकिन यूलिया की अपनी एक अलग कहानी है। एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें खुद अपनी आवाज और हिंदी में गाने को लेकर भरोसा नहीं था। उस दौर में सलमान खान ने उनकी क्षमता पर भरोसा जताया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए हौसला दिया। यूलिया ने खुद कई इंटरव्यू में बताया है कि सलमान के भरोसे ने उन्हें अपने टैलेंट को पहचानने में मदद की। यूलिया वंतूर का बचपन से ही उनका झुकाव ग्लैमर और मीडिया की दुनिया की तरफ था। उन्होंने महज 15 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी और धीरे-धीरे रोमानिया में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने न्यूज एंकर के तौर पर भी काम किया। टीवी में उनके काम के लिए उन्हें कई सम्मान और पुरस्कार भी मिले।

भारत आने के बाद यूलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती नई भाषा और नई इंडस्ट्री थी। शुरुआत में लोग उन्हें सलमान खान से जुड़ी शख्सियत के तौर पर ज्यादा जानने लगे थे। यूलिया और सलमान खान की मुलाकात साल 2010 में डबलिन में हुई थी, जहां सलमान अपनी फिल्म 'बॉडीगार्ड' की शूटिंग कर रहे थे। इसके बाद दोनों की दोस्ती की चर्चा होने लगी। यूलिया ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके लिए सिंगिंग में कदम रखना आसान नहीं था। उन्हें हिंदी में गाने को लेकर खुद पर विश्वास नहीं था। लेकिन, सलमान ने उनकी आवाज और मेहनत पर भरोसा किया। सलमान खान ने यूलिया को गाने के लिए प्रेरित किया और उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। इसके बाद यूलिया ने उनकी फिल्म 'राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई' के गाने 'सीटीमार' में अपनी आवाज दी। इसके अलावा, उन्होंने कई अन्य म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में भी काम किया और सिंगर के तौर पर अपनी पहचान बनाई। यूलिया ने अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा। वह शॉर्ट फिल्म 'इकोज ऑफ अस' में नजर आईं।

मिर्जापुरः द फिल्म को लेकर श्वेता त्रिपाठी बोलीं

लंबे समय से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही 'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी अब ओटीटी की दुनिया से निकलकर बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। 'मिर्जापुर: द फिल्म' में एक बार फिर अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपने लोकप्रिय किरदार गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेत्री ने अपने किरदार की यात्रा, फ्रेंचाइजी से जुड़े अनुभव और दर्शकों के प्यार को लेकर कई बातें साझा की। उन्होंने बताया कि गोलू का किरदार समय के साथ काफी बदल गया है और एक ऐसी लड़की से एक मजबूत महिला तक का सफर तय कर चुका है, जो सही और गलत की समझ से आगे बढ़ते हुए ताकत, दर्द, बदले और महत्वाकांक्षा जैसी भावनाओं से गुजरती है। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, ''जब हमने करीब आठ साल पहले मिर्जापुर की शूटिंग शुरू की थी, तब हममें से किसी ने नहीं सोचा था कि यह सफर इतना लंबा और खास होगा। एक कलाकार के तौर पर आप हमेशा चाहते हैं कि आपका काम लोगों तक पहुंचे, लेकिन बहुत कम ऐसा होता है जब कोई शो लोगों की बातचीत, मीम्स, सेलिब्रेशन और उनकी भाषा का हिस्सा बन जाए। मिर्जापुर ने यह कर दिखाया।''

उन्होंने कहा, ''इस फ्रेंचाइजी ने कलाकारों को ऐसी पहचान दी, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। दर्शकों ने सिर्फ कहानी को पसंद नहीं किया, बल्कि इसके किरदारों से गहरा जुड़ाव महसूस किया। लोग मुझे आज भी मेरे असली नाम से ज्यादा गोलू दीदी के नाम से पहचानते हैं।''

फिल्म के रूप में 'मिर्जापुर' के विस्तार को लेकर श्वेता ने कहा, ''यह सिर्फ एक सीरीज को बड़े पर्दे पर लाने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह उन दर्शकों के प्यार का नतीजा है, जिन्होंने कई सालों तक इस कहानी और किरदारों को अपना माना। हर सीजन के बाद लोग और कहानी देखना चाहते थे, किरदारों पर चर्चा करते थे और अपनी-अपनी थ्योरी बनाते थे। कई मायनों में यह फिल्म जितनी हमारी है, उतनी ही दर्शकों की भी है।''

श्वेता त्रिपाठी ने अपने किरदार गोलू गुप्ता के बदलाव को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ''गोलू का सफर बेहद भावनात्मक रहा है। शुरुआत में गोलू एक ऐसी लड़की थी, जो सही और गलत की अपनी समझ के साथ आगे बढ़ती थी, लेकिन परिस्थितियों ने उसे धीरे-धीरे बदल दिया। उसने अपने सफर में कई दर्द झेले, बदले की भावना से गुजरी और ताकत के साथ अपनी पहचान बनाने की कोशिश की।''

श्वेता ने कहा, ''मेरे लिए इस किरदार को निभाना इसलिए भी खास रहा क्योंकि मैंने लंबे समय तक गोलू के हर बदलाव को महसूस किया। मैंने उसे कई सालों तक जिया है। वह एक ऐसी युवा महिला थी, जो सही काम करने में विश्वास रखती थी और धीरे-धीरे ऐसी इंसान बनी, जो ताकत, दुख, बदले और महत्वाकांक्षा के बीच खुद को संभाल रही थी।'' उन्होंने कहा, ''किसी किरदार का लोगों के जीवन से जुड़ जाना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। गोलू गुप्ता का किरदार मेरे करियर के सबसे यादगार किरदारों में से एक रहेगा।''

अक्षय की 'समुक' में एलियन के सूट डिजाइन पर खर्च होंगे करोड़ों

अक्षय कुमार की अपकमिंग साइंस-फिक्शन फिल्म 'समुक' है। इसका बजट करीब 150 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। फिल्म को पहले अगस्त में फ्लोर पर ले जाने की तैयारी थी, लेकिन अब लंबे यूके शेड्यूल की लागत और कई विभागों के बजट की नई गणना के चलते प्रोडक्शन प्लानिंग पर दोबारा काम हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक फिल्म का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा लंदन और स्कॉटलैंड में शूट किया जाएगा और यूके शेड्यूल की अवधि ढाई से तीन महीने रखी गई है। इसमें प्रिंसिपल फोटोग्राफी के साथ टेक्निकल रेकी, एक्शन ब्लॉकिंग, उपकरणों की आवाजाही और स्थानीय क्रू के साथ कोऑर्डिनेशन भी शामिल होगा।

कनिष्क वर्मा ही फिल्म का निर्देशन करेंगे, लेकिन डायरेक्शन टीम के सेटअप में बदलाव की चर्चा है। सूत्रों के अनुसार मौजूदा टीम के कुछ सदस्य प्रोजेक्ट से अलग हो सकते हैं और नई प्रोफेशनल टीमों को जोड़ने पर विचार चल रहा है। फिल्म के लिए हॉलीवुड के क्रिएचर-इफेक्ट्स आर्टिस्ट एलेक गिलिस फिल्म के एलियन पर काम कर रहे हैं। वही फिजिकल कॉस्ट्यूम और प्रैक्टिकल डिजाइन पर काम किया जा रहा है। इस पर कई करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं।

इश्कनामा में दिखेगी गुरु-शहनाज की केमिस्ट्री

गुरु रंधावा और शहनाज गिल स्टारर फिल्म 'इश्कनामा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर की कहानी साल 1982 की पृष्ठभूमि पर बेस्ड है। इसमें गुरु 'निम्मा' और शहनाज 'नसीमा' के किरदार में नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान यात्रा के दौरान निम्मा की मुलाकात नसीमा से होती है और दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगते हैं, लेकिन दोनों के बीच सरहद और अलग मजहब बड़ी चुनौती बनकर सामने आते हैं। ट्रेलर में नसीमा भारत देखने की इच्छा जताती है, जिसके बाद निम्मा उसे भारत घुमाता है। वापस पाकिस्तान छोड़ने के दौरान दोनों के रिश्ते की जानकारी नसीमा के पिता को मिल जाती है। इसके बाद निम्मा को कैद कर लिया जाता है और उस पर अत्याचार किया जाता है। वहीं नसीमा अपने पिता के खिलाफ खड़ी हो जाती है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि सरहद और हालात के बीच दोनों की प्रेम कहानी किस अंजाम तक पहुंचती है।

अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के विजय देवरकोंडा ने की अपने करियर सबसे मुश्किल तैयारी

एक्टर विजय देवरकोंडा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के लिए अपने करियर की सबसे मुश्किल तैयारी की है। कई महीनों तक अलग-अलग तरह की स्किल्स सीखने के बाद, एक्टर ने जबरदस्त ट्रेनिंग की, ताकि हर एक्शन सीन असली लगे। उनका ट्रांसफॉर्मेशन आम फिटनेस रूटीन से कहीं आगे था। उनकी तैयारी इस तरह से की गई थी ताकि हर सीन स्क्रीन पर असली लगे।

विजय ने ली ट्रेनिंग

फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा 'इस रोल के लिए विजय ने खुद को तैयारी के एक लंबे और मुश्किल प्रोसेस में पूरी तरह झोंक दिया। उन्होंने घुड़सवारी के मुश्किल सेशन किए। साथ ही, उन्होंने हथियार चलाना, फायरआर्म्स का इस्तेमाल करना और घोड़े पर बैठकर नकली गोलीबारी के बीच एक्शन करना भी सीखा।'

चाकू चलाने की ट्रेनिंग ली

सूत्र ने आगे कहा, 'फिल्म के लिए विजय ने जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया। उन्होंने बॉडीबिल्डिंग की और चाकू से लड़ने की ट्रेनिंग ली। तैयारी का हर पहलू सिर्फ अलग-अलग स्किल्स सिखाने के लिए नहीं, बल्कि विजय को उस किरदार में पूरी तरह ढालने के लिए था, ताकि स्क्रीन पर हर एक्शन सही लगे।'

विजय देवरकोंडा का वर्क फ्रंट

विजय देवरकोंडा की अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' फैंस को उत्साहित कर रही है। यह इस साल 11 सितंबर को रिलीज होने वाली है। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में विजय के साथ रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में हैं। इसके बाद विजय 'राउडी जनार्दन' में नजर आएंगे।

धमाल के मानव को मैंने खुद बनाया

एक्टिंग, कॉमेडी, डांस, डबिंग, होस्टिंग, कोरियोग्राफी और सिंगिंग जैसी मनोरंजन की अलग-अलग विधाओं को एक साथ साधने वाले जावेद जाफरी जैसे कलाकार बॉलीवुड में विरले ही हैं। इसके बावजूद, इंडस्ट्री में 40 साल से सक्रिय जावेद जाफरी मानते हैं कि ऑर्गनाइज्ड यानी व्यवस्थित न होने के चलते वह बहुत कुछ ऐसा नहीं कर पाए, जो कर सकते थे।

बकौल जावेद जाफरी, 'मैं जो भी चीजें कीं, वो बस खुद-ब-खुद होती गईं। मैंने प्लान करके कुछ नहीं किया। मेरी दिक्कत ही यही है कि मैं जिंदगी में ऑर्गनाइज्ड यानी व्यवस्थित नहीं हूं। अगर व्यवस्थित होता तो बहुत कुछ कर लिया होता। मैंने डायरेक्टर के तौर पर एक फिल्म बना ली होती। मैंने रैप की एल्बम निकाल ली होती। 1985 में मैंने फिल्म 'मेरी जंग' में 'बोल बेबी बोल' गाने के बीच में रैप किया था। तब रैप का एल्बम निकालने का आइडिया भी आया था, तब बाबा सहगल भी नहीं आया था, लेकिन वही है कि मैं ऑर्गनाइज्ड नहीं हूं। मुझे कोई ऐसा चाहिए जो मुझे ऑर्गनाइज करे। हालांकि, फिल्म डायरेक्ट करने की ख्वाहिश अब भी है। वो मैं करूंगा।'

कॉमेडी पर बहुत बंदिशें लग चुकी हैं

इन दिनों अपनी फिल्म 'धमाल 4' से चर्चा बटोर रहे जावेद जाफरी का कॉमेडी से गहरा नाता रहा है। आजकल कॉमेडी का स्तर गिरने के सवाल पर वह कहते हैं, 'मैं ये तो नहीं कहूंगा कि स्तर गिर चुका है। अभी माध्यम इतने सारे हो चुके हैं और एंटरटेनमेंट को देखने की आदतें बदल चुकी हैं। खासकर से कोविड के बाद, सोशल मीडिया, यूट्यूब, स्ट्रीमिंग प्लैटफॉर्म, इन सारी चीजों ने कई चीजें बदली हैं। उसमें कॉमेडी भी है। कॉमेडी वैसे भी अलग-अलग ऑडियंस पर अलग तरह से असर डालती है। मेरा खुद का अनुभव रहा है कि नॉर्थ ईस्ट के डिब्रूगढ़ के शो में जिस चीज पर ताली बजती है, जिस पर लोग हंसते हैं, वो सैन फ्रैंसिस्को की ऑडियंस से बहुत अलग है। जबकि, मैं वही हिंदी बॉलीवुड शो कर रहा हूं, क्योंकि वहां सेंसिबिलिटी अलग होती है।

लोग बहुत सेंसिटिव हो गए हैं

वैसे, अभी लोग कुछ ज्यादा सेंसिटिव हो गए हैं, खासकर अपने देश में। जैसे, अब हम कुत्ते को कुत्ता नहीं बोल सकते, डॉगी बोलो ! ये क्या मतलब हुआ। मोटी नहीं बोल सकते, गूंगा नहीं बोल सकते, ये नहीं बोल सकते, वो नहीं बोल सकते, कुछ अजीब सी सेंसरशिप कहिए या जो भी कहिए, मगर इतना सेंसिटिव क्यों होना है? 70-80 के दौर में किसी की भावनाएं इन चीजों से आहत नहीं होती थीं। अब कॉमेडी पर बहुत बंदिशें हो गई हैं।'

'धमाल' में जावेद जाफरी का निभाया मानव का किरदार काफी पसंद किया गया। वह किरदार को गढ़ने में जावेद जाफरी की भी अहम भूमिका रही। उन्होंने बताया, ''धमाल' मेरी जिंदगी की सबसे मजेदार फिल्म है। मानव का किरदार भी मेरे बहुत करीब है, क्योंकि उसे बनाने में मेरा भी काफी हाथ है कि वो कैसे बोलेगा?, क्या पहनेगा?, कैसे चलेगा? दरअसल, जब मैं फिल्म के लिए हमारे डायरेक्टर इंद्र कुमार जी से मिला तो वह देखकर बोले कि जावेद तू तो स्मार्ट लगता है यार। मैं समझ गया कि वह क्या कहना चाहते हैं तो मैंने कॉस्ट्यूम वालों के साथ तय किया कि उसे डंगरी पहनाते हैं। पोलो नेक की टीशर्ट पहनाते हैं ताकि एक बचपना दिखे, एक मासूमियत दिखे। फिर उन्होंने कहा कि तेरी आवाज बहुत अच्छी है, तो मैंने पूरा बेस हटा दिया। आवाज को पतला कर दिया। एक तुतलाहट ले आया, क्योंकि इस किरदार को कमजोर बनाना था। इसलिए, मैंने अपनी बॉडी लैंग्वेज बदली। थोड़ा झुककर चला। मम्मा विल भी प्राउड ऑफ यू, वाला डायलॉग भी स्क्रिप्ट में नहीं था तो इसे बनाने में बहुत मजा आया।'

बेटे मीजान संग करना फख्र की बात

जावेद जाफरी पिछले दिनों फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में अपने बेटे मीजान के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखे। पिता-बेटे की इस जोड़ी ने साथ में डांस भी किया। इस अनुभव को खास मानने वाले जावेद कहते हैं, 'बेटे के साथ काम करके निश्चित तौर पर फख्र होता है कि वह इतना बड़ा हो गया है कि अपनी जिंदगी, अपना करियर खुद आगे बढ़ा रहा है। एक पिता के तौर पर निश्चित तौर पर बहुत खुशी होती है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।